संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 340-बुधवार 15- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

राजस्थान के जैसलमेर में एसी बस में लगी आग | डीएनए जांच के बाद सौंपे जाएंगे शव

20 यात्री जिंदा जले, 15 लोग झुलसे

बचने के लिए चलती गाड़ी से कूदे लोग

जैसलमेर,14 अक्टूबर 2025। राजस्थान के जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे मंगलवार दोपहर 3.30 बजे चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई। 20 यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। इनमें 19 की जैसलमेर और 79 साल के हुसैन खां की जोधपुर में मौत हुई। पोकरण विधायक प्रतापपुरी ने हादसे में 20 मौतों की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा- हादसा शॉर्ट सर्किट से ही हुआ है। हादसे में 2 बच्चों, 4 महिलाओं समेत 15 लोग झुलस गए। झुलसे यात्रियों को जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से सभी को जोधपुर रेफर कर दिया। अधिकांश यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हैं। बस में 57 लोग सवार थे। हादसे में मरने वालों की पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। कलेक्टर प्रताप सिंह ने मृतकों के परिजनों से संपर्क करने की अपील की है। बस रोजाना की तरह दोपहर करीब 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर दूर रास्ते में थईयात गांव के पास अचानक बस के पिछले हिस्से में धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। बचने के लिए लोग चलती बस से कूद गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे।

शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा कारण

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी। जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं और मृतकों के परिजनों को सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा है कि हादसे के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

लपटों में फंसे लोग,सेना और स्थानीयों ने बचाई जान

चश्मदीदों के अनुसार,बस के अंदर का नजारा बेहद दर्दनाक था। छोटे गेट के पास करीब 10-12 लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरे पड़े थे। कई यात्री झुलस चुके थे और बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। हादसे के बाद सेना के जवान और पास के गोदाम के कर्मचारियों ने राहत कार्य में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आग बुझाने में मदद की। स्थानीय लोगों ने भी आगे बढ़कर बचाव कार्य में हिस्सा लिया,जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी।

डीएनए जांच के बाद सौंपे जाएंगे शव

इस हादसे में 20 लोगों की मौत हुई है। डीएनए जांच के बाद ही शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। बुधवार सुबह डीएनए जांच की जाएगी। इधर,सीएम करीब 15 मिनट तक जैसलमेर रुके और इसके बाद जोधपुर रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी भी थे।

झुलसे यात्रियों को ग्रीन कॉरिडोर से जोधपुर भेजा गया

हादसे में झुलसे यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है. इन सभी को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया है. जोधपुर पहुंचने से पहले ही अस्पताल प्रशासन ने विशेष तैयारी की थी. झुलसे मरीजों के इलाज के लिए वार्ड खाली करवाए गए और डॉक्टर्स की टीम को अलर्ट कर दिया गया. अस्पताल में जैसे ही एंबुलेंस पहुंची, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. कई लोग अपने परिजनों को पहचान भी नहीं पा रहे थे. कुछ परिजनों ने आरोप लगाया कि ट्रैवल्स कंपनी की लापरवाही से यह दर्दनाक हादसा हुआ है. अगर कंपनी यात्रियों से इतना किराया लेती है, तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं करती?

भारत में 3 कफ सिरप के खिलाफ विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी

इनसे जान को खतरा,कोल्ड्रिफ भी शामिल,एमपी में इससे 25 बच्चों की मौत हुई

नई दिल्ली,14 अक्टूबर 2025। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में तीन मिलावटी कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की। इनमें श्रीसन फार्मास्यूटिकल की कोल्ड्रिफ,रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रीलाइफ की खेप शामिल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार,विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि तीनों सिरप गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। ये जान के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी का कारण भी बन सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनियाभर के देशों से कहा है कि अगर उनके यहां ये दवाओं मिल रही हैं तो हमें इसकी जानकारी दें। कोल्ड्रिफ वही सिरप है,जिससे मध्य प्रदेश में सितंबर से अब तक 5 साल से कम उम्र के 25 बच्चों की मौत हुई है। सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा तय सीमा से लगभग 500 गुना ज्यादा थी,जिससे बच्चों की जान गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 9 अक्टूबर को भारत से पूछा था कि क्या कोल्ड्रिफ कफ सिरप विदेशों में भी निर्यात किया गया था। भारत में दवाओं की निगरानी करने वाली अथॉरिटी, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने कहा था कि कोई भी मिलावटी दवा बाहर नहीं भेजी गई। न ही अवैध निर्यात का कोई सबूत मिला है। श्रीसन फार्मा का लाइसेंस रद्द,कंपनी भी बंद तमिलनाडु स्थित कांचीपुरम में श्रीसन

फार्मास्युटिकल कंपनी कोल्ड्रिफ सिरप बना रही थी। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सोमवार को श्रीसन फार्मा का लाइसेंस रद्द कर दिया और कंपनी को आधिकारिक रूप से हमेशा के लिए बंद कर दिया। कंपनी के मालिक रंगनाथन गोविंदन (75 साल) को 9 अक्टूबर को चेन्नई के कोडम्बक्कम स्थित उसके अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। मध्य प्रदेश पुलिस की एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने उसे पकड़ा था। उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड (20 अक्टूबर तक) पर भेजा गया है। कोल्ड्रिफ में किडनी खराब करने वाला 48% जहर एमपी में बच्चों की मौत के बाद श्रीसन फार्मा की यूनिट से कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नंबर एसआर-13) जब्त की गई थी।

बिहार विधानसभा चुनाव : भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी,वरिष्ठ नेता नंदकिशोर यादव का कटा टिकट

पटना,14 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पहली सूची में 71 उम्मीदवार के नाम शामिल है। पटना में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक ऐलान किया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अहम घटक दल के रूप में भाजपा इस बार जनता दल (यूनाइटेड) और अन्य सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरेगी। राजग में हुए सीटों के बंटवारे के तहत भाजपा इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सीट और उम्मीदवारों की सूची

भाजपा ने बेतिया से रेणु देवी, रक्सौल से प्रमोद कुमार सिन्हा,पिपरा से श्यामबाबू प्रसाद यादव, मधुबन से राणा रणधीर सिंह, मोतिहारी से प्रमोद कुमार,ढाका से पवन जाय सवाल,रीगा से बैद्यनाथ प्रसाद,बथनाहा से अनिल कुमार राम,परिहार से गायत्री देवी,

सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू,बेनीपट्टी से विनोद नारायण झा, खजौली से अरुण शंकर प्रसाद, बिस्फी से हरिभूषण ठाकुर बचौल को टिकट दिया गया है। भाजपा की ओर से राजनगर से सुजीत पासवान,झंझारपुर से नीतीश मिश्रा,छातापुर से नीरज कुमार बबलू, नरपतगंज से देवंती यादव,फारबिसगंज से विद्या सागर केसरी, सिकटी से विजय कुमार मंडल, किशनगंज से स्वीटी सिंह,बनमनखी से कृष्ण कुमार ऋषि,पूर्णिया से विजय कुमार खेमका,कटिहार से तारकिशोर प्रसाद, प्राणपुर से निशा सिंह,कोढ़ा से कविता देवी, सहरसा से आलोक रंजन झा,गौरा-बौराम से सुजीत कुमार सिंह और दरभंगा से संजय सरावगी को टिकट मिला है। इसी तरह से केवटी से मुरारी मोहन झा,जाले से जिवेश कुमार मिश्रा, औराई से रमा निषाद,कुढ़नी से केदार प्रसाद गुप्ता,बरुराज से अरुण कुमार सिंह,साहेबगंज से राजू कुमार सिंह,बैकुंडपुर से मिथिलेश तिवारी,सिवान से मंगल पांडेय,दरौंदा से कर्णजीत सिंह,गोरेयाकोठी से देवेश कांत सिंह,तरैया से जनक सिंह,अमनौर से कृष्ण कुमार मंटू,हाजीपुर से अवधेश सिंह,लालगंज से संजय कुमार सिंह,पातेपुर से लखेंद्र कुमार रौशन,मेहिउद्दीननगर से राजेश कुमार सिंह, मछवारा से सुरेंद्र मेहता,तेघरा से रजनीश कुमार और बेगूसराय से कुंदन कुमार ,भागलपुर से रोहित पांडेय,बांका से राम नारायण मंडल,कटोरिया से पूरण लाल टुडू, तारापुर से सम्राट चौधरी, मुंगेर से कुमार प्रणय और लखीसराय से विजय कुमार सिन्हा को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने दक्षिण बिहार के बिहार शरीफ से सुनील कुमार,दीघा से संजीव चौरसिया, बांकीपुर से नितिन नबीन,कुम्हरार से संजय गुप्ता,पटना साहिब से रत्नेश कुशवाहा,दानापुर से रामकृपाल यादव,बिक्रम से सिद्धार्थ सौरव,बड़हरा से राघवेंद्र प्रताप सिंह,आरा से संजय सिंह टाइगर,तरारी से विशाल प्रशांत, अरवल से मनोज शर्मा,औरंगाबाद से त्रिविक्रम नारायण सिंह,गुरुआ से उपेंद्र दांगी, गया शहर से प्रेम कुमार,वजीरगंज से बीरेंद्र सिंह,हिसुआ से अनिल सिंह वारिसलीगंज से अरुणा देवी और जमुई से श्रेयसी सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

कुपवाड़ा,14 अक्टूबर 2025। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया। 13 अक्टूबर की शाम 7 बजे से भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास कुंबकडी के जंगल में यह ऑपरेशन जारी है। आतंकियों ने यहां से घुसपैठ की कोशिश की थी,जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम किया है। इससे पहले 8 सितंबर को सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। ऑपरेशन गुड्डर में मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था।

भविष्य में भारतीय मानक बनेंगे वैश्विक मानक : अनुराग ठाकुर

सोलन,14 अक्टूबर 2025। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने ज़िला सोलन के परवाणू स्थित भारतीय मानक ब्यूरो कार्यालय में आयोजित विश्व मानक दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और भारत के मानक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक व्यावहारिक पांच सूत्रीय एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शून्य दोष, शून्य प्रभाव विज़न को दोहराते हुए कहा कि भारत अब गुणवत्ता को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि अधिकार मानता है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 2014 से पहले देश में केवल 14 गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू थे, जिनमें 106 उत्पाद शामिल थे, लेकिन पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार की नीति और नीयत के चलते अब 187 क्यूसीओ के तहत 770 उत्पाद बीआईएस प्रमाणन के अंतर्गत आ चुके हैं।

एनएसजी ने आतंकवाद के खिलाफ बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी है : अमित शाह

गुरुग्राम,14 अक्टूबर 2025। हरियाणा के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस समारोह में मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आठ एकड़ में बनने वाले ब्लैक कैट स्पेशल ऑपरेशंस ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास किया। गृहमंत्री ने इससे पहले वट वृक्ष का पौधा भी रोपा। समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि चार दशक की लंबी यात्रा में एनएसजी के जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर देश को सुरक्षित किया है। सर्वत्र,सर्वोत्तम और सुरक्षा इन तीन सूत्रों को लेकर साहस और राष्ट्र भक्ति को अपना गुण बनाकर एनएसजी ने चार दशकों से देश में आर्गेनाइज क्राइम और आतंकवाद के खिलाफ बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी है। मानेसर एनएसजी परिसर में कमांडों द्वारा किए गए प्रदर्शन को देखकर हर नागरिक को संतोष हो जाना चाहिए कि हमारी सुरक्षा सुरक्षित हाथों में है। अमित शाह

ने आगे कहा कि मानेसर स्थित एनएसजी सेंटर में आठ एकड़ भूमि में 141 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक स्पेशल ऑपरेशंस ट्रेनिंग सेंटर बनेगा। यहां कमांडो आतंकवाद का सामना करने की ट्रेनिंग लेंगे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में केवल केंद्र सरकार आतंकवाद का सामना नहीं कर सकती, देश की सभी राज्य सरकारें और राज्य पुलिस के विशेष दस्ते, एनएसजी, सीआरपीएफ सभी मिलकर देश को सुरक्षित करेंगे। एनएसजी ने सर्वत्र, सर्वोत्तम और सुरक्षा इन तीन मंत्रों को जमीन पर उतारते हुए 1984 से ऑपरेशन अवश्वमेघ,ऑपरेशन ब्रज शक्ति,ऑपरेशन अक्षरधाम जैसे कई ऑपरेशन करते हुए राष्ट्र को सुरक्षित किया है। पूरा देश एनएसजी की बहादुरी पर नाज करता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एनएसजी के काम में बहुत बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। एनएसजी के मुंबई,चेन्नई,कोलकाता,हैदराबाद, अहमदाबाद,जम्मू और अयोध्या में भी सेंटर बनने जा रहे हैं।

इन जगहों पर कमांडों 365 दिन 24 घंटे तैनात रहेंगे ताकि अकस्मात होने वाले आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि पर बने हेडक्वाटर पर एनएसजी और देश भर के राज्य पुलिस के आतंकविरोधी दस्तों की ट्रेनिंग और फिटनेस होगी। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति देश ने अपनाई है।

बहुचर्चित शराब घोटाला,एसीबी ने सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

रांची,14 अक्टूबर 2025। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाया जा रहा है, जहां उन्हें एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। एसीबी सूत्रों के अनुसार,गिरफ्तार आरोपियों में गुजरात की विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंट से जुड़े विपिन जादवभाई परमार,महेश शेडगे, परेश अभेसिंह ठाकोर और विक्रम सिंह ठाकोर तथा महाराष्ट्र की मार्शन इनोवेटिव सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े जगन तुकाराम देसाई, कमल जगन देसाई और शीतल जगन देसाई शामिल हैं। इन सातों के खिलाफ जून महीने में एसीबी ने कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट हासिल किया था। एसीबी की जांच में खुलासा हुआ है कि झारखंड सरकार की ओर से शराब दुकानों के संचालन और मैनपावर सप्लाई का ठेका जिन सात अलग-अलग प्लेसमेंट कंपनियों को दिया गया था,उन्होंने टेंडर की शर्तों का उल्लंघन कर सरकार को चूना लगाया। इन कंपनियों ने टेंडर प्रक्रिया के बाद सरकार के पास जो बैंक गारंटी जमा की थी, वह फर्जी पाई गई। झारखंड स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड की आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक,इन सात कंपनियों ने फर्जीवाड़े के जरिये सरकार को 129.55 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया।

कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे,कुछ अपना दबदबा बनाना चाहते हैं : राजनाथ

नई दिल्ली,14 अक्टूबर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदान देने वाले देशों के प्रमुखों के सम्मेलन में एक सभा शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा...कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने किसी देशों का नाम लिए बिना कहा...कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ खुद के नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच,भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को कायम रखने में मजबूती से खड़ा है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि शांति भारत के अहिंसा और सत्य की फिलॉस्फी में गहराई से शामिल है, जिसका प्रचार महात्मा गांधी ने किया था।

उन्होंने कहा कि शांति की स्थापना सिर्फ एक मिलिट्री मिशन नहीं,बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है। बता दें कि भारत पहली बार यूएनटीसीसी प्रमुखों के कॉन्क्लेव की मेजबानी कर रहा है। यह सम्मेलन में आज से 16 अक्तूबर तक चलेगा। इसमें फ्रांस, इटली, थाइलैंड सहित 32 देशों के सीनियर सैन्य अधिकारी एक साथ मौजूद रहेंगे। राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में संघर्ष और हिंसा के बजाय मानवता को प्राथमिकता देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा- महात्मा गांधी के लिए, शांति सिर्फ युद्ध का अभाव नहीं था,बल्कि न्याय, सद्भाव और नैतिक शक्ति की एक सकारात्मक स्थिति थी। रक्षा मंत्री ने कहा- हम सभी जानते हैं कि शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर है। यह एक साझा जिम्मेदारी है। यह हमें याद दिलाती है कि संघर्षों और हिंसा से ऊपर, मानवता है और इस बनाए रखने की जरूरत है।

संपादकीय

जोखिमभरी शांति

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते-लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी,साथ ही आर्तरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल,इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है,ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई,गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि,तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा। लेकिन इस चरमपंथी समूह ने फ़लस्तीन को राज्य का दर्जा मिलने से पहले इस संभावना से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का नेतृत्व करने वाले हैं,जो गाजा के शासन के लिये एक अस्थायी गैर-राजनीतिक समिति के कामकाज की देखरेख करेगा। निस्संदेह, इस भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रूप से कुशलता पूर्वक संभालने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से इस विवाद के पटाक्षेप के लिये दो-राज्य समाधान के लिये स्पष्ट समय-सीमा का अभाव एक कसक के रूप में महसूस किया जाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी पीठ थपथपा सकते हैं। लेकिन देर-सवेर उन्हें अहसास हो सकता है कि उन्होंने इस बेहद जटिल मुद्दे के समाधान की कोशिशों में अपनी क्षमता से अधिक काम ले लिया है।

जातीय नफरत की सर्कस विवेकहीन समाज की एक त्रासदी

डॉ प्रियंका सौरभ

सदियों से भारतीय समाज जातीय भेदभाव की बेड़ियों में जकड़ा हुआ है। यह नफरत केवल सामाजिक संरचना को नहीं, बल्कि इंसान के विवेक और संवेदना को भी कुंद कर चुकी है। हर निर्णय,हर दृष्टिकोण, हर न्याय आज जाति के तराजू पर तोला जाता है। जब तक समाज जातीय पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर न्याय-अन्याय के बीच अंतर करना नहीं सीखेगा,तब तक कुछ स्वार्थी और धूर्त लोग इस विभाजन की साज़िश में हमें अपनी सर्कस बनाते रहेंगे। भारतीय समाज की जड़ें हजारों वर्षों पुरानी हैं। पर इन जड़ों में कई ऐसी गांठें भी हैं, जिन्होंने इंसानियत को बाँट दिया है। जाति का विचार शुरुआत में शायद एक सामाजिक संगठन का ढांचा था, पर समय के साथ यह व्यवस्था अन्याय,भेदभाव और शोषण का औजार बन गई। ऊँच-नीच की मानसिकता ने समाज को वर्गों में बाँट दिया और इस बंटवारे ने इंसान की पहचान को उसके कर्म से हटाकर उसकी जाति से जोड़ दिया। जब कोई समाज अपने नैतिक विवेक को खो देता है, तब वह अन्याय को सामान्य मानने लगता है। यही आज की सबसे बड़ी समस्या है। जातीय सोच इतनी गहराई से हमारी मानसिकता में समा गई है कि लोग अन्याय को भी अपनों के पक्ष में देखकर सही ठहराने लगते हैं। किसी अपराधी की जाति अगर अपनी है, तो लोग उसे निर्दोष मान लेते हैं; और अगर पीड़ित किसी अन्य जाति का है, तो उसके दर्द के प्रति संवेदना गायब हो जाती है। यह वह बिंदु है जहां इंसानियत मर जाती है और जातिवाद जीत जाता है। राजनीति ने जातिवाद को जीवित रखा है, बल्कि उसे हवा दी है। हर चुनाव में उम्मीदवारों की योग्यता नहीं, उनकी जातीय पहचान का हिसाब लगाया जाता है। नेता जानते हैं कि जातीय गोलबंदी उनकी सत्ता की नींव है,इसलिए वे समाज को एकजुट करने के बजाय बांटे रखना चाहते हैं। वोट के लिए जाति को हथियार बनाना सबसे खतरनाक प्रवृत्ति है,क्योंकि यह विभाजन न केवल लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है, बल्कि पीढ़ियों के मन में अविश्वास और घृणा बो देता है।

जातीय पूर्वाग्रहों से बाहर निकलने का सबसे सशक्त माध्यम शिक्षा है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा का प्रसार भी कई बार समान अवसरों के बिना अधूरा रह जाता है। जब तक हर वर्ग को समान अवसर, समान मंच और समान सम्मान नहीं मिलेगा,तब तक जातीय सोच का अंत संभव नहीं है। सच्ची शिक्षा वही है जो मनुष्य को स्वतंत्र सोचने और दूसरों के दुःख को समझने की क्षमता दे। मीडिया समाज का दर्पण होता है। पर जब दर्पण ही धुंधला हो जाए,तो सच्चाई कैसे दिखाई देगी? जातीय हिंसा या भेदभाव की खबरें अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से तो दिखाई जाती हैं, पर उनमें इंसानियत की करुणा का अभाव होता है। जरूरत है कि मीडिया समाज में संवाद का माध्यम बने, न कि विभाजन का। पत्रकारिता का मूल धर्म है सत्य को सामने लाना – चाहे वह किसी जाति, वर्ग या धर्म के विरुद्ध क्यों न हो। हर युग में कुछ ऐसे चालाक और धूर्त लोग रहे हैं जो समाज की कमजोरियों को भुनाते हैं। कभी धर्म के नाम पर, कभी जाति के नाम पर, कभी भाषा के नाम पर–वे हमें बाँटकर अपनी कुर्सी और शक्ति को सुरक्षित करते हैं। हम वही जनता हैं जो उनके शो में दर्शक बन बैठे हैं। वे खेल दिखाते हैं, हम ताली बजाते हैं–और हर बार यह सर्कस चलता रहता है। अगर हम सच में बदलाव चाहते हैं,तो हमें दर्शक नहीं, निर्णायक बनना होगा। न्याय का अर्थ तभी पूरा होता है जब वह बिना किसी पूर्वाग्रह के किया जाए। न्याय का कोई रंग, धर्म या जाति नहीं होती। समाज को चाहिए कि वह हम बनाम वे की मानसिकता से बाहर निकलकर सबके लिए न्याय की भावना को अपनाए।

लेखकों रचनाओं के लिये वोट मांगना धूमिल होता स्वाभिमान

डॉ वीना तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

दुःख होता है ऐसी सोच रखने वालों को जो ये सोचते की हम जो भी करें या जो भी हासिल करें वो वैध है अगर वही कोई दूसरा करे या हासिल करें तो वो अवैध है। अर्थात संक्षिप्त शब्दों में कहें तो अहंकार की भावना की मैं श्रेष्ठ हूँ मेरे आगे बाकी सब अश्रेष्ठ। यहाँ इतने ही शब्दों में झलक रहा अहंकार का भाव....

आप समझ ही गये होंगे ना पाठकों की वीना आज किस विषय को लेकर आई है। क्यों पाठकों सही कहा ना मैंने ऊपर संक्षिप्त शब्दों में.....

आज आक्रोश से भरी है मेरी कलम, मेरी कलम आक्रोश से तभी भरती और ज़हर उगलती शब्दों के माध्यम से जो दूसरों को नीचा दिखाने का हर सार्थक प्रयास करते और मैं पूरी जान लगा देती की बिना वजह किसी को छेड़ना गलत है...श श श . खास करके मेरी कलम को तो छेड़ उस पर आघात करना ग़लत,क्यों कि मैं लेखिका हूँ सामान्य सी लिखती हूँ-तो खुद को सुकून देने के लिये और कोई मुझे मिल मिल रहे सुकून में अकारण खलल डाले तो बर्दाश्त के बाहर हो जाता फिर तो बस मौन धारण कर तथ्यों संग ऐसे व्यंग्यात्मक शब्दों के बाण छोड़ती की अहंकारी का अहम स्वयं धरातल में आकर गिर पड़ता...अरे मैंने तो लिखते-लिखते अपनी सबसे बड़ी कमी बता दी...सच मेरी कमी यह है कि शांत बहते दरिया को अकारण पत्थर फेंक भेदने वाले को सरल व सामान्य स्वभाव संग जवाब देना...अरे-अरे अब आप पाठक सोच रहे होंगे की इस वीणा के तारों के बेसुरा किसने कर दिया और क्यों ? चलो मैं बताती हूँ कि हुआ क्या आखिर मेरे साथ...वर्ष 2010 से रजिस्टर्ड दिल्ली की एक साहित्यिक संस्था ने मुझे वर्ष 2022 में तन्वी नाम से साहित्यिक अलंकृत नाम से सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया...मेरा नाम वीना से अब वीना तन्वी हो गया...वर्ष 2024 मे मुझे नोएडा की संस्था द्वारा लाल बहादुर शास्त्री सम्मान देने की घोषणा की गयी,जो सम्मान मुझे वर्ष 2025 में हमारे ही शहर में डॉ की उपाधि की घोषणा करते हुए भरे मंच पर सम्मानित किया गया... अब मैं वीना तन्वी से डॉ वीना तन्वी हो गई...

अब आप सोचेंगे इसमें कौन सी नई बात है बहुत लोगों को अलंकृत सम्मान या मानक उपाधि मिलती हैं?

अरे-अरे पाठकों में आपके दिमाग में उठने वाले प्रश्नों से सहमत हूँ। कोई बड़ी बात नहीं! परंतु यदि आपको मिले इस सम्मान को कोई अवैध, फर्जी, या जिस संस्था से आपको सम्मान मिला उसे नाजायज सम्मान कहे, आपके सम्मान को रद्दी कहे या आपको या अन्य साहित्यकारों को लंगोट छाप साहित्यकार कहे सीधे तौर पर नहीं चाहे घुमा फिरा कर तो आप क्या यह स्वीकार कर पाएंगे? क्या जो संस्था आपको इतने सम्मान से दूर आपके शहर आकर आपको सम्मानित कर रही तो आप क्या मौन धारण कर लेंगे?

शायद पाठकों इसका उत्तर आप सभी कहेंगे-नहीं हाँ सच! आप सभी यही उत्तर देंगे नहीं। एक मासिक पत्रिका निकालने वाले संपादक के मंच पर मुझसे प्रश्न किया गया संपादक द्वारा कि आपने कोई डिग्री हासिल की जो आपने डॉ उपाधि नाम के आगे लगाई, मैंने कहा नहीं। उन्होंने कहा पैसे देकर ली? मैंने सौम्य रूप से जवाब देते हुए कहा नहीं। और उन्हें स्वरचित रचनाओं पर मिले कुल अंकों के आधार पर उपाधि मिलने के बारे मेंबताया। तो उनका जवाब था ये फर्जी है,और आज कल ये फर्जी उपाधि बांटने को लोग धंधा बना रहे हैं। अरे भाई अब संपादक महोदय को कौन समझाए की जिस उपाधि को लेखक के कार्य कुशलता व अधिकतम समीक्षा गणना के आधार पर उपाधि दी गई वो भला धंधा कैसे कहलाया?

अब उनके ही पत्रिका के पटल पर जुड़े लेखक जो डॉ नाम से सम्मानित व्यक्ति कुछ लेखकों को व्यंग्यात्मक शैली में लंगोटिया छाप लेखक बोले उफ़्फ़ ये कैसी मानसिकता है मासिक पत्रिका के संपादक व उनसे जुड़े अपने आप को लेखक बताने वाले लोगों कि,की खुद को या स्वयं की पत्रिका के माध्यम से दिया जाने वाला सम्मान वैध है और वही सालों से अपना वर्चस्व स्थापित करने वाली साहित्य जगत में स्थापित संस्थाओं द्वारा दिया जाने वाला हर एक सम्मान अवैध। ऐसा कैसे? क्या नाम दूं ऐसी संकुचित सोच वाले संपादक व उनसे जुड़े लोगों को। ये तो यही हुआ ना की मैं श्रेष्ठ बाकी सब अश्रेष्ठ, यहां स्वयं द्वारा किये जा रहे पत्रिका से संबंधित वाटस ऐप मंच व समस्त पत्रिका के कार्यों को श्रेष्ठ बता अपने अहम को उजागर करना उचित है?

स्वयं की पत्रिका के माध्यम से हो रही मासिक पत्रिका को गिनवाना चाहे जिसमें हर विद्या से 2..3 लेखकों को चुन कर उन्हें लोगों से वोट मांगने के लिये कहते और अधिक वोट मिलने वाला विजयी। पत्रिका से जुड़े लोग व्यक्तिगत जाकर लोगों से वोट की गुहार लगाते यह है प्रतियोगिता का असल रूप। इससे से ये साबित होता की एक लेखक अपने लेखनी पर स्वयं विश्वास नहीं रख रहा की वो बेहतरीन लेखक हैं। तभी सभी से संपादक के बनाए नियमों अनुसार सबसे वोट मांगते यह ग़लत है लेखकों में आपके स्वाभिमान को धूमिल करती। अर्थात दूसरे वाट्स एप मंच, पत्रिका, अखबार, संस्थाओं द्वारा किया जा रहा दूसरों का सम्मान या कार्य सब फर्जी ? शायद यही कहने चाह रहे थे मासिक पत्रिका के संपादक परंतु उन्हें जब जवाब स्वरूप यही कहा कि मेरे लिये कोरे कागज़ पर लिखा सम्मान भी श्रेष्ठ है या सर्टिफिकेट पर दिया भी सम्मानिय सम्मान है तक उन्होंने मौन धारण किया मेरी सोच को लाईक का कमेंट देकर। परंतु उनके मंच से जुड़ें सदस्य बोलते रहे परंतु सभ्यता व मौन धारण कर मैंने ही शांत रहना अपने संस्कार समझें।

जब तक एक लेखक स्वयं के मिले छोटे से छोटे या बड़े सम्मान का सम्मान स्वयं नहीं करेगा तब तक अहंम में डूबे कुछ लोग आपको तोड़ने का हर एक प्रयत्न करेंगे जो वो कर सकते। हर संस्था से मिले (रजिस्टर हो या नहीं हो) सम्मान का सम्मान करें, किसी की बातों को दिल से लगा लिया हो तो कलम चला खुद के स्वाभिमान के लिये लिखें इससे आप स्वयं का तो सम्मान कर रहे साथ ही उस संस्था का भी सम्मान उच्च चोटी पर ले जा रहे जिन्होंने आपको सम्मान दिया। झुकों उतना ही जो आपके अहम को पैरों तले ना रौंदे, उठो उतना ही जिससे किसी के स्वाभिमान को चोट पहुंचाने की भावना नहीं जागे। मैंने अहंकार वश नहीं बल्कि स्वाभिमान व सम्मान देने वाली समस्त संस्थाओ के स्वाभिमान व सम्मान को जिंदा रखने का कार्य करते हुए कलम चलाई।

स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका

सत्य शील अग्रवाल

किसी भी लोकतान्त्रिक देश के लिए सक्रिय एवं मजबूत विपक्ष का होना आवश्यक होता है। यह एक स्वस्थ लोकतंत्र का उदाहरण है,परन्तु हमारे देश में विपक्षी पार्टियाँ पूरी दुनिया में सबसे अधिक नकारात्मक भूमिका में दिखाई देती हैं। ये पार्टियाँ सत्तारूढ़ पार्टी का विरोध करते करते देश का विरोध करने से भी संकोच नहीं करतीं। उनके लिए सरकार के सभी क्रियाकलापों का विरोध करना एक मात्र उद्देश्य बन गया है। इस विरोध की नीति के चलते वे देश के हितों का ध्यान भी नहीं रख पाते सिर्फ सत्ता के लालच में इतने अंधे हो जाते हैं की उन्हें समझ नहीं आता उनका कोई वक्तव्य देश के और समाज के हित में है भी या नहीं। ये जनता को भ्रमित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। जनता को भ्रमित करके वोट प्राप्त करने की चालें चलते हैं। आज की जनता पढ़ी लिखी और जागरूक होने के कारण समस्त जानकारी रखती है। अतः जनता को मूर्ख समझने वाले स्वयं भ्रमित हो जाते हैं। कोई भी देशवासी या किसी पार्टी का नेता दूसरे देश में जाकर अपने देश का अपमान करता है,उसकी कमियां गिनाता है, तो उसे देश का हितैषी कैसे कहा जा सकता है? विपक्षी पार्टियों को सोचना होगा कि यदि देश उन्नति करेगा तो उनका भी भला होगा। यदि देश में खुशहाली होगी तो उन्हें भी दुनिया में सम्मान मिलेगा। यदि देश की कानून व्यवस्था ख़राब होगी तो उसका प्रभाव भी देश के प्रत्येक नागरिक पर होगा। उसका भविष्य अंधकार में होगा। अतः प्रत्येक नेता को अपने स्वार्थ से पहले सुरक्षित देश के लिए प्रयास करना चाहिए। विपक्ष की भूमिका होनी चाहिये कि वह सत्तारूढ़ दल के कार्यों की समीक्षा करता रहे। यदि उसके कार्य कहीं भी देश और समाज के हितों के विरुद्ध जान पड़ते हैं,तो उसे जनता के समक्ष लाये और सत्ता पक्ष को अपनी कार्य शैली में सुधार के लिए मजबूर करे। परन्तु हमारे देश का विपक्ष, सरकार के देश और समाज के हित में किये जा रहे कार्यों में भी अडंगा लगा कर उसका विरोध करने लगता है और जनता को भ्रमित करने का प्रयास करता है। अर्थात विपक्ष की कार्य शैली नकारात्मक हो गयी है,जो देश और समाज के लिए घातक है। सरकार के प्रत्येक अच्छे कार्य का विरोध करना देश और समाज के प्रति गद्दारी है। सही कदम को सही कहना सीखना होगा,तब ही देश का सही विकास और उन्नति हो सकती है। व्यक्ति किसी भी पार्टी का हो यदि कोई अच्छा कार्य करता है तो उसकी तारीफ भी करने में झिझक नहीं होनी चाहिए। इससे विपक्ष की भूमिका भी सकारात्मक दिखाई देती है और जनता में एक अच्छा सन्देश जाता है। यदि कोई पार्टी सत्ता प्राप्त करना चाहती है, तो उसे जनता को विश्वास दिलाना होगा, की वह पार्टी वर्तमान सरकार से कहीं अधिक जनहित में कार्य कर सकती है। उसके शासनकाल में जनता को अधिक सुविधाएँ मिल पाएंगी। संतोष जनक कानून व्यवस्था के चलते जनता अधिक सुख शांति से रह सकती है। देश को अधिक तेजी से आगे बढ़ाने का कार्य कर सकती है। न्याय व्यवस्था बेहतर होगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकेगा। बेरोजगारी, महंगाई, बढती आबादी पर तेजी से अंकुश लग सकेगा। अपनी नीतियों का प्रदर्शन,अपनी किसी राज्य में सरकार बनाकर अपनी कथनी को, अपनी विचार श्रृंखला को सिद्ध कर सकती है। सिर्फ प्रधानमंत्री को या सत्तासीन दल को गालियां देकर जन समर्थन नहीं जुटाया जा सकता। सत्तारूढ़ दल से बेहतर कार्य करने की क्षमता सिद्ध करके ही केंद्र या राज्यों में सत्ता प्राप्त कर सकते है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ माने जाने वाले मीडिया को अपना रोल सकारात्मक रखना होगा। उन्हें भी सिर्फ कवरेज और अपनी टीआरपी बढाने की मानसिकता से परे हटकर कार्य करना होगा। गुंडे मवाली या देश द्रोही नारे देने वाला नेताओं का इंटरव्यू टीवी पर दिखाने से भी जनता को भ्रमित किया जाता है,और अराजक तत्वों को बढ़ावा मिलता है, उनके हौसले बुलंद होते हैं। इससे परहेज किया जाना चाहिए। मीडिया को भी जनहित का ध्यान रखते हुए अपने माध्यम का प्रयोग करना चाहिए। सरकार के गलत कार्यों की जमकर आलोचना होनी ही चाहिए साथ ही सरकार के जनहित कारी कार्यों की सराहना भी करनी चाहिए ताकि जनता तक सही सन्देश पहुँच सके।

कविता

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपुर

किरदार

इस जीवन में सबका किरदार है अपना अपना
किसी को मिलती है मंजिल कोई देखता रहता है सपना
कठपुतली की तरह नचाता है सब को वह
संसार में बहुत अद्भुत है जिसकी हर रचना

कोई मां का कोई पिता का किरदार है निभाता
जीवन का हर रिश्ता ऊपर से बन कर है आता
काम नहीं आता खून का रिश्ता भी कई बार
जुड़ जाता है किसी से फिर भी गहरा नाता

कोई किसी से नहीं मिलता न कोई है मिलता
यह सब तो पैदा होने से पहले ही तय हो जाता
अपनी मर्जी से कोई जी नहीं सकता यहां
जितना लिखा है उससे एक पल भी ज़्यादा नहीं जी पाता

अमीर के घर है पैदा होता है कोई
कोई गरीबी मे ही अपनी उम्र है बिताता
मनपसंद चीजे खा नहीं सकता कोई
कोई हर चीज़ का लुत्फ है उठाता

जीवन की डोर ऊपर वाले ने रखी है अपने हाथ
लिखा है जितना उससे ज़्यादा नहीं मिलता किसी का साथ
कठपुतली की तरह नचाता है खींचता रहता है डोर
कुछ नहीं मिलता उसे जो जीवन से हो जाता हताश

विश्व छात्र दिवस,डॉ. कलाम का पूरा जीवन एक जीवंत प्रेरणा है

डॉ. मुश्ताक
अहमद शाह

हर साल 15 अक्टूबर को जब विश्व छात्र दिवस मनाया जाता है, तो यह दिन हमें केवल भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की याद नहीं दिलाता, बल्कि हमें यह एहसास भी कराता है कि किसी मुल्क की असल ताक़त उसकी युवाशक्ति में छिपी होती है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2010 में इस दिन को मनाने की घोषणा की थी ताकि दुनिया भर के विद्यार्थी यह समझें कि वे एक राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं और उन्हें उस वैज्ञानिक और नैतिक दृष्टि का अनुसरण करना चाहिए, जिसे डॉ. कलाम ने अपने जीवन से परिभाषित किया।डॉ. कलाम का पूरा जीवन एक जीवंत प्रेरणा है। रामेश्वरम के एक साधारण मछुआरे परिवार से निकल कर भारतीय अंतरिक्ष और रक्षा विज्ञान की बुलंदियों तक पहुँचना इस बात का प्रमाण है कि मनुष्य अगर ईमानदारी, परिश्रम और लगन से काम करे तो कोई मंज़िल दूर नहीं। वह केवल मिसाइल मैन नहीं थे,बल्कि एक ऐसे शिक्षक थे जिनकी हर बात में विद्यार्थियों के प्रति स्नेह, विश्वास और उम्मीद झलकती थी।

उन्होंने कहा था कि विद्यार्थियों में असीम ऊर्जा है, बस उसे सही दिशा देने की ज़रूरत है।आज जब शिक्षा प्रतिस्पर्धा और रोज़गार की दौड़ तक सीमित होती जा रही है,तब कलाम साहब की विचारधारा और भी प्रासंगिक हो जाती है। उन्होंने सदैव कहा कि शिक्षा का मक़सद नम्बर या डिग्री नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ रचनात्मक करने की सोच होनी चाहिए।

उनका विश्वास था कि इग्नाइटेड माइंड्स अर्थात् जगाई हुई चेतनाएँ,किसी भी राष्ट्र की असली पूँजी हैं। यही कारण था कि वे हर छात्र को अपने भीतर का सपना पहचानने और उसे साकार करने का साहस देते थे। विश्व छात्र दिवस केवल उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का दिन भी है। आज के युवाओं के सामने जहाँ तकनीक और अवसरों के असीम आयाम हैं, वहीं वे जलवायु संकट, मानसिक तनाव और सामाजिक विषमता जैसे प्रश्नों से जूझ रहे हैं। ऐसे में डॉ. कलाम का यह संदेश दिशा देता है, ज्ञान को करुणा के साथ जोड़ना सीखो, क्योंकि केवल जानकारी से नहीं, बल्कि संवेदना से समाज बदलता है।

इस अवसर पर हर संस्थान और हर विद्यार्थी को यह प्रण लेना चाहिए कि वे डॉ. कलाम के आदर्शों को अपने आचरण में उतारेंगे शिक्षा को सेवा का माध्यम बनाएँगे, और सपनों को कर्म का रूप देंगे।

जब ऐसा होगा, तब सचमुच यह दिवस मानवता और प्रगति का पर्व बनेगा। डॉ. कलाम के शब्दों में कहें तो एक पुस्तक, एक विद्यार्थी और एक शिक्षक दुनिया बदल सकते हैं। यही वाक्य आज भी हर दिल में उम्मीद की लौ बनकर जगमगा रहा है, और हमें याद दिला रहा है कि सच्चा राष्ट्र निर्माण कक्षा से ही आरंभ होता है।

सुविचार

लाइब्रेरीज ऑन द गो : बस स्टैंड को ज्ञान के केंद्रों में बदलना

विजय गर्ग

सार्वजनिक परिवहन केंद्रों,विशेष रूप से बस स्टैंड में पुस्तकालयों को एकीकृत करने की अवधारणा वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रही है, साक्षरता को बढ़ावा देने, पढ़ने वाली सामग्री को सुलभ बनाने और रचनात्मक सीखने के लिए अक्सर डाउनटाइम क्षणों का उपयोग करने के लिए एक अभिनव समाधान के रूप में कार्य कर रही है। ये पहल बस की सांसारिक प्रतीक्षा को बौद्धिक समृद्धता के अवसर में बदल देती हैं। दर्शनः प्रतीक्षा में पढ़ना बस स्टैंड पर पुस्तकालय के पीछे का मुख्य विचार लोगों से मिलना है जहां वे हैं। बस स्टैंड और टर्मिनल स्वाभाविक रूप से एक साथ आने वाले लोगों, छात्रों और यात्रियों के लिए व्यस्त होते हैं जिनके पास मिनटों या घंटों का समय है। इन स्थानों में किताबें और अध्ययन सामग्री डालकर, आयोजक प्रतीक्षा समय का लाभ उठाते हैं,जिससे यह पढ़ने के समय बन जाता है साक्षरता को बढ़ावा देनाः डिजिटल स्क्रीन के वर्चस्व वाले युग में,ये पुस्तकालय लोगों को भौतिक पुस्तकों से पुनः जुड़ने और पढ़ने का प्रेम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सुलभताः वे ज्ञान तक पहुंच को लोकतंत्रीकृत करते हैं,विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पारंपरिक सार्वजनिक पुस्तकालयों की कमी होती है,ग्रामीण सेटिंग्स या ऐसे व्यक्तियों के लिए जिनके पास समर्पित पुस्तकालय का दौरा करने का समय या साधन नहीं हो सकता।

एक ट्रस्ट-आधारित मॉडल : इनमें से कई सेटअप स्व-सेवा, विश्वास आधारित प्रणाली पर काम करते हैं,अक्सर इस सिद्धांत का पालन करते हैंः आप ले सकते हैं,आप वापस आ सकते हैं इससे सामुदायिक स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है। सफल मॉडल और पहल बस स्टैंड लाइब्रेरी मॉडल के लिए विभिन्न दृष्टिकोण सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं ओपन-एक्सेस बस स्टॉप लाइब्रेरीज (भारत): कर्नाटक जैसे राज्यों में,पहलों ने सैकड़ों गांव के बस स्टॉप्स को खुली पहुंच वाली पुस्तकालयों में बदल दिया है,जिन्हें कभी-कभी बुक नेस्ट कहा जाता है। इनमें आमतौर पर कहानियों और सामान्य ज्ञान से लेकर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए सामग्री तक की पुस्तकों का एक विविध संग्रह होता है,तथा इन्हें अक्सर समर्पित पुस्तकालयकार के बिना चलाया जाता है,जो पुस्तकें उधार लेने और वापस करने के लिए जनता की ईमानदारी पर निर्भर करता है।

परिवर्तित बस/वाहन पुस्तकालय (भारत और वैश्विक): कुछ परियोजनाओं ने पुरानी, बंद बसों को मोबाइल लाइब्रेरी या बस स्टेशनों पर स्थिर पढ़ने के कमरे में बदल दिया है। उदाहरण के लिए,पुणे महानगर परिवहन महमांडल लिमिटेड (पीएमपीएल) ने एक स्क्रैप बस को मुफ्त सार्वजनिक पुस्तकालय में बदल दिया है, जिसमें निःशुल्क वाई-फाई भी शामिल है यह मॉडल एक पूर्ण, संरक्षित पढ़ने का वातावरण प्रदान करता है।

सामुदायिक केंद्रों (कश्मीर) में स्ट्रीट लाइब्रेरीज : दक्षिण कश्मीर से एक उत्साहवर्धक उदाहरण के रूप में, भारतीय सेना ने स्थानीय छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और उच्च अध्ययनों के लिए पुस्तकों से भरी पुरानी बस स्टैंड को सड़क पुस्तकालय बना दिया।

एकीकृत डिजिटल और प्रिंट स्टेशन (सिंगापुर) : अधिक तकनीकी रूप से उन्नत मॉडलों में,एक बस स्टॉप मुद्रित पुस्तकों का घूर्णन करने वाला चयन प्रदान कर सकता है तथा साथ ही ग्राहकों को राष्ट्रीय पुस्तकालय प्रणाली से ई-पुस्तकें डाउनलोड करने के लिए इंटरैक्टिव स्टेशन भी उपलब्ध करा सकता है। प्रभाव और भविष्य इन पहलों का प्रभाव केवल पुस्तकों को वितरित करने से परे है। वे सकारात्मक सार्वजनिक स्थान बनाते हैं, पारगमन बिंदुओं का माहौल बढ़ाते हैं और अक्सर परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बन जाते हैं। वे यह प्रदर्शित करते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र बौद्धिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण वातावरण हो सकता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

65 लाख का राशन घोटाला करने वाले पदाधिकारी व कर्मचारियों की अग्रिम जमानत याचिका हुआ खारिज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में गरीबों का हक पर डाका डालने वाले के ऊपर शासन ने अपराध दर्ज कराया था जिसमें 6 पदाधिकारी व कर्मचारी शामिल थे जिनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ भाजपा नेता आलोक दुबे के शिकायत पर की गई कार्यवाही की चर्चा उक्त मामले में बनी हुई है। जिसके तहत थाना कोतवाली अम्बिकापुर मे खाद्य निरीक्षक शिव कुमार मिश्रा द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट टर्ज कराने के संबंध में इस आशय का लिखित आवेदन प्रस्तुत किया कि सहायक खाद्य अधिकारी, अम्बिकापुर (ग्रामीण) के साथ उसके तारा जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति,घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001071,39100 1029 एवं 391001054 का संयुक्त रूप से जांच किया गया। जांच कर जांच प्रतिवेदन कलेक्टर (खाद्य शाखा),अम्बिकापुर को प्रस्तुत किया गया। जांच में जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एंव उपभोका सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001071,391001029 एवं 391 001054 का सितम्बर 2022 एवं 31 मार्च 2025 की स्थिति में पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति,घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001072,3910

सरगुजा में 65 लाख का राशन घोटाला उजागर,सहकारी समिति के 6 पदाधिकारी व कर्मचारी पर अपराध दर्ज

01029 एंव 39100 1054 का संयुक्त रुप से जांच किया गया। जांच कर जांच प्रतिवेन कलेक्टर (खाद्य शाखा),अम्बिकापुर को प्रस्तुत किया गया। जांच में जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं सेवा सहकारी समिति,घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 391001071,39100102 एवं 391001054 का सितम्बर 2022 एवं 31 मार्च 2024 की स्थिति में किये गये भौतिक सत्यापन के दौरान समी दुकानों में चावल 631.29 क्विं राशि 6162267.96 रूपये,शक्कर 10.43 क्विं राश 19160.62 रूपये एवं चना 48.34 क्विं राशि 292692.09 रूपयं जिसमे सभी खाद्यान की कुल राशि 6494120.67 रुपये की कमी पाई गई। दुकान 391001029 में कमी हेतु जिम्मेदार व्यत्ति जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष पवन सिंह आ0 स्व0 दीपनारायण,उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता गणेश, फरहान सिद्दकी आ0 अब्दुल रेयाज। दुकान कमांक 391001054 अध्यक्ष पवन सिंह आ0 स्व. दीपनारायण उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता पैंकरा पति गणेश एवं जायसवाल आ0 अरूण जायसवाल एवं दुकान क्रमांक 391001071 अध्यक्ष पवन सिंह आ0 स्व0 दीपनारायण,उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता पैंकरा पति गणेश सैफ अली आ0 अरशद अली एवं मुकश यादव आ0 पुरेन्दर यादव है। प्रार्थी की लिखित शिकायत के आधार पर आवेदक के विरूद्ध थाना कोतवाली अम्बिकापुर के द्वारा अपराध क्रमांक 42/2025 अंतर्गत धारा 420 भा.दंसं. एवं 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत अपराध पँजिबद्ध किया गया।

अम्बिकापुर न्यायालय ने अग्रिम जमानत याचिका को खारिज

जमानत पर सुनवाई के दौरान प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपियों की जमानत खारिज कर दिया गया है इस सबन्ध में मिली जानकारी अनुसार खाद्य अधिकारी द्वारा कलेक्टर को संबोधित जांच प्रतिवेदन में शासकीय उचित मूल्य की दुकान क्रमंक 391001077 ,91001029 एं 391001054 की सयुक्त जांच पर सितम्बर 2024 एवं 31 मार्च 2024 की स्थिति में किये गये भौतिक सत्यापन के आधार पर कुल राशि 6494120 रूपयें की कमी पायी गयी है। न्यायलय ने कहा कि केस डायरी के अवलोकन से दर्शित है कि खाद्य अधिकारी ने आवेदक का कथन लेखबद्ध किया है, जिसमें आवेदक ने यह बताया है कि सितम्बर 2024 की स्थिति में जांच पश्चात कमी पाये जाने पर तहसीलदार कार्यालय अम्बिकापुर के माध्यम से RRC जारी की गयी है। अतः केस डायरी में आवेदक की उक्त अपराध में संलिप्ता के तथ्य प्रकट होते है। जहां तक प्रश्न आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का है तो वह साक्ष्य का विषय है। अतः अपराध की गम्भीरता को देखते हुए आवेदक को अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। अतः आवेदक पवन सिंह की ओर से थाना अम्बिकापुर के अपराध क्रमांक 742/2025 धारा 420,409,120 बी भा.दं.सं. एवं धारा 3,7 ई.सी,एक्ट में प्रसतुत धारा 482 भा0ना0सु0सं0 का आवेदन पत्र खारिज किया जाता है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष चयनः चार दिवसीय रायशुमारी पूरी,नवंबर में होगा नाम का ऐलान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चयन को लेकर चार दिन चली गहन रायशुमारी मंगलवार को संपन्न हो गई। जशपुर जिले के लिए रवाना होते समय मुख्य पर्यवेक्षक एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर ने बताया कि जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा नवंबर माह के पहले पखवाड़े में कर दी जाएगी। कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय नेतृत्व ने 4 सदस्यीय पर्यवेक्षक दल गठित किया था, जिसमें श्री ठाकुर के साथ पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, विधायक सावित्री मंडावी एवं संगठन महामंत्री अमरजीत चावला शामिल थे। पर्यवेक्षक दल ने 11 से 14 अक्टूबर तक जिले के विभिन्न ब्लॉकों का दौरा कर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों और मीडिया से फीडबैक लिया। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष चयन के लिए तीन प्रमुख मानदंड तय किए हैं – वह व्यक्ति जो पार्टी की विचारधारा से जुड़ा हो, आम जन के दुख-दर्द को समझता हो और जनसमस्याओं के लिए संघर्षशील हो। उन्होंने सरगुजा जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत और ऊर्जावान बताया।

चार दिवसीय दौरे की शुरुआत 11 अक्टूबर को प्रेसवार्ता से हुई, जिसमें दल ने चयन प्रक्रिया की जानकारी दी। उसी दिन जिला संगठन की बैठक लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा की गई। 12 अक्टूबर को सामाजिक संगठनों और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों जैसे अंबिकापुर शहरी, ग्रामीण और लखनपुर से बातचीत की गई। 13 अक्टूबर को उदयपुर, लुंड्रा और धौरपुर ब्लॉकों में चर्चा के बाद रात में जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों से सीधी मुलाकात की गई।

अंतिम दिन दरिमा,मैनपाट,बतौली और सीतापुर ब्लॉकों का दौरा कर रायशुमारी पूरी की गई। पर्यवेक्षक दल ने स्थानीय मीडिया से भी संवाद कर संगठन की स्थिति और संभावित नामों पर प्रतिक्रिया ली। झारखंड में इस प्रक्रिया के 15-20 दिन बाद जिलाध्यक्ष घोषित किए गए थे, ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी जल्द ही नाम सामने आने की उम्मीद है।

फरार एनडीपीएस आरोपी दम्पति चांदो से गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

केंद्रीय जेल अंबिकापुर से फरार एनडीपीएस मामले की विचाराधीन महिला बंदी आरती सोनी और उसके पति मनोज सोनी को कोतवाली पुलिस ने साढ़े चार माह बाद बलरामपुर जिले के चांदो से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दंपती चांदो बाजार के पास एक किराए के मकान में छिपकर रह रहे थे। आरती सोनी को एनडीपीएस एक्ट के तहत 12 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। उसे पथरी की शिकायत पर जेल चिकित्सकों की सलाह पर 30 मई को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया था। 31 मई को ऑपरेशन निर्धारित था, लेकिन इससे पहले 30 मई की देर रात 1 से 2 बजे के बीच वह महिला प्रहरी साधना एक्का को चकमा देकर फरार हो गई थी। इसकी तत्काल सूचना जेल प्रबंधन को दी गई थी,जिसके बाद मणिपुर थाने में बीएनएस की धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने महिला के खैरबार स्थित निवास सहित कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच आरोपी दंपती द्वारा अवैध रूप से बनाए गए एक ठिकाने को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ढहा भी दिया, फिर भी दोनों पकड़ से बाहर रहे। कोतवाली पुलिस को हाल ही में सूचना मिली कि फरार दंपती बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के चांदो में छिपे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने सोमवार देर शाम चांदो में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आरती सोनी की निगरानी के लिए तैनात महिला प्रहरी की ड्यूटी रात 10 से 2 बजे तक थी, लेकिन ड्यूटी के दौरान ही महिला फरार हो गई थी। घटना के बाद जेल प्रहरी साधना एक्का ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरार दंपती को पकडने पुलिस लगातार प्रयासरत थी और आखिरकार उनकी गिरफ्तारी से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि फरारी के दौरान आरोपियों को किन लोगों से मदद मिली और क्या उन्होंने किसी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया।

पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्मी को पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा जेल

-संवाददाता-
चलगली/बलरामपुर,14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

चलगली पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्मी आरोपी को पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही भेजा जेल। प्रार्थीया ने दिनांक 12.10.2025 को थाना बसंतपुर में उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराई कि पिन्टु राम अगरिया पिता प्रेम शंकर अगरिया उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम गढ़ौली थाना चलगली जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा पीड़िता को जमीन-जगह देने का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर अपने घर ग्राम गढौली ले जाकर कई दिन तक रखा व बलात्कार किया है तथा दिनांक 04.10.25 को मारपीट कर भगा दिया तथा रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दिया गया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में उपरोक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामला महिला संबंधी गंभीर अपराध होने से सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियो को देकर मामले से अवगत कराया जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी जितेंद्र सोनी के नेतृत्व में टीम को रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी पिन्टू राम अगरिया को उसके गांव से पकड़ कर थाना लाकर कड़ाई से पूछताछ किया गया, आरोपी द्वारा जुर्म करना स्वीकार करने पर आरोपी पिन्टू राम अगरिया पिता प्रेम शंकर अगरिया उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम गढ़ौली थाना चलगली जिला बलरामपुर रामानुजगंज के विरूद्ध अपराध करने का सबूत पाये जाने पर आज दिनांक 13.10.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

नगर निगम जोन क्रमांक-3 में 3 करोड़ के निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

शहर में सडक़ों का निर्माण कार्य शुरू, जनता को मिलेगी राहत : मंजूषा भगत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी चौक, रिंग रोड में नगर निगम जोन क्रमांक-3 में 3 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन महापौर मंजूषा भगत व नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टीन्नी तथा पी डब्ल्यू डी प्रभारी मनीष सिंह द्वारा भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व सभापति ललन प्रताप सिंह, पूर्व सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर लगभग 3 करोड़ के डामरीकरण, सीसी रोड, नाली निर्माण तथा पेवर ब्लॉक सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर कार्य प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर शहर की आम जनता को संबोधित करते हुए महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि लंबी बरसात के बाद अब जाकर निर्माण कार्यों को प्रारंभ करने का समय हमें मिला है, अब सडक़ों का निर्माण शुरू होने से आम जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक-3 जिसमें 10 वार्ड शामिल हैं में निर्माण कार्य का आज भूमिपूजन हुआ है ऐसे ही आने वाले दिनों में सभी पांच जोन में निर्माण कार्य प्रारंभ होंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में लगभग 15 करोड़ के कामों के साथ-साथ 11.59 करोड़ के महामाया कॉरिडोर के कामों का भी भूमिपूजन कर कार्य प्रारंभ किया जाना है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जनता ने जिस उम्मीद के साथ नगर निगम में भाजपा की सरकार बनाई है उसे पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि बरसात के समय कांग्रेस के लोग बहुत हल्ला करते रहे कि नगर निगम में काम नहीं हो रहा, अब काम शुरू हो रहा है तो उन्हें भी आकर देखना चाहिए। इस अवसर पर नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टीन्नी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में आज से शुरू हुआ निर्माण कार्यों का सिलसिला लगातार चलने वाला है।

विष्णु देव साय सरकार का संकल्प हमने बनाया है हम ही संवारेंगे जरूर पूरा होगा क्योंकि विकास कार्यों के लिए सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। कार्यक्रम को पूर्व सभापति ललन प्रताप सिंह, पूर्व सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा, पार्षद आलोक दुबे तथा पार्षद मनोज गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पी डब्ल्यू डी प्रभारी मनीष सिंह ने तथा आभार प्रदर्शन नगर निगम आयुक्त डी एन कश्यप ने किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, अंबिकेश केशरी, करता राम गुप्ता, अभिमन्यु गुप्ता, संतोष दास, अनिल जायसवाल, अभिषेक शर्मा, कैलाश मिश्रा, विवेक दुबे, अनिल तिवारी, रमेश जयसवाल, रवीन्द्र गुप्त भारती, जितेंद्र सोनी, विशाल गोस्वामी, श्वेता गुप्ता, ममता तिवारी, प्रियंका गुप्ता, सुशांत घोष, अनीता रवीन्द्र गुप्त भारती, शशिकांत जायसवाल, रविकांत उरांव, छोटू पांडे, शैलेश सिंह, छोटू मेराज, डॉ शिवमंगल सिंह, निरंजन राय, राहुल त्रिपाठी, प्रियंका चौबे, दीपक गर्ग, संजीव वर्मा, उमेश अग्रवाल, संजीव सेठ, चंदन शुक्ला, महेंद्र विश्वकर्मा तथा नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

25 हाथियों का दल से ग्रामीणों में दहशत,खैरबार अमेराडुगु में घर तोड़ा,लालमाटी स्कूल के पास जमाया डेरा

-संवाददाता-
सरगुजा,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के जिला मुख्यालय में एक बार फिर 25 हाथियों के दल ने दस्तक दी है। अंबिकापुर के ग्राम पंचायत खैरबार अमेराडुगु में सोमवार की रात हाथियों के झुंड ने ग्रामीण के घर पर हमला कर भारी नुकसान पहुंचाया। रात करीब 9 से 10 बजे के बीच हाथियों झुंड ने श्रीराम तिग्गा पिता नान साई तिग्गा के घर को तोड़ डाला, जिससे घर की दीवारें ढह गई और अंदर रखा अनाज व घरेलू सामान बर्बाद हो गया। सौभाग्य से परिवार के सदस्य समय रहते घर से बाहर निकल गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, यह हाथियों का झुंड फिलहाल लालमाटी ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल के पास डेरा जमाए हुए है। स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है और कई परिवार रात भर जागकर चौकसी कर रहे हैं। लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि शीघ्र ही हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर खदेड़ा जाए, ताकि जनहानि या संपत्ति की क्षति न हो। वन विभाग की टीम को सूचना मिलते ही मौके पर रवाना किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि झुंड में लगभग 25 से 30 हाथी शामिल हैं, जो पिछले कुछ दिनों से जंगलों में विचरण कर रहे हैं।

रात के समय यह झुंड गांव की ओर रुख कर रहा है, जिससे लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पहले भी हाथियों के हमले से कई घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं,लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हाथियों का यह रुझान उनके पारंपरिक मार्गों पर मानव बस्तियों के फैलाव और जंगलों में भोजन की कमी के कारण बढ़ा है। सरगुजा क्षेत्र में हाथियों की बढ़ती आवाजाही ने मानव-हाथी संघर्ष को एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या का रूप दे दिया है। प्रशासन और वन विभाग के सामने चुनौती है कि वे इन जंगली हाथियों को सुरक्षित वन क्षेत्र में वापस पहुंचाएं और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

7 मवेशी भक्षक आय पुलिस के गिरफ्त में,जंगल में मवेशी को काट रहे थे मुखबिर की सूचना पर हुए गिरफ्तार

-संवाददाता-
चंदों,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परि. अधिनियम 2004 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के चांदों थाने में पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम करचा छवारी, पचपेडी जंगल में कुछ व्यक्तियों द्वारा मवेशी को काट रहे हैं, दिनांक 13.10.2025 को थाना प्रभारी चांदों एवं हमराह स्टाफ के साथ रात्रि पेट्रोलिंग ग्रस्त हेतु निकले थे इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम करचा छवारी, पचपेड़ी जंगल में कुछ व्यक्तियों के द्वारा एक मवेशी को खाने के लिए काट रहे हैं, मुखबिर की सूचना के संबंध में थाना प्रभारी के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर उनके मार्गदर्शन में थाना चांदों से पेट्रोलिंग पार्टी को तत्काल ग्राम करचा रवाना किया गया। पेट्रोलिंग टीम द्वारा गवाहों के साथ ग्राम करचा से लगा जंगल में बताए स्थान पर घेराबंदी किया गया। घेराबंदी के दौरान आरोपी अगस्टिन लकड़ा,सूबेदान,दिलीप खेस, प्रदीप खेस,भय करण सोनवानी, दीपक कुजूर जोगिंदर खेस,को मौके से विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

अपहरण के मामले में फरार आरोपी को सामरी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
सामरी,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सामरी पुलिस ने लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी रवि लोहरा पिता कुंवर लोहरा उम्र 18 वर्ष 05 माह पहाड़ कापू थाना नेतरहाट जिला लातेहार,झारखंड को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे। प्रार्थीगण द्वारा थाना सामरीपाठ में उपस्थित होकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 25.08.2025 के सुबह लगभग 7-8 बजे मेरी लड़की कम्प्यूटर सीखने कोचिंग सेन्टर सामरी जा रही हूँ कहकर घर से निकली थी जो घटना दिनांक 29/08/2025 तक घर वापस नहीं आयी है तब हमलोग आस-पास पडोस तथा अपने रिस्तेदारों में पता तालाश किये कोई पता नहीं चला। मेरी नाबालिक लड़की घर में रहकर रवि नाम का लड़का से फोन में बात करती थी जो ग्राम कापू झारखण्ड का निवासी है। मुझे शंका है कि मेरी नाबालिक लड़की को रवि झारखण्ड निवासी के द्वारा ही बहला फुसला कर कही भगा ले गया होगा। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना

सामरी में गुम इंसान क्रमांक 04/2025 तथा संहेदी/आरोपी रवि लोहरा के विरूद्ध अपराध क्रमांक 71/2025 धारा 137 (2) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध कर जांच पतासाजी विवेचना में लिया गया था कि जांच पतासाजी विवेचना दौरान अपहृत बालिका को दिनांक 14.09.2025 को ग्राम कापू थाना नेतरहाट जिला लातेहार (झारखण्ड) संदेही/आरोपी के घर से दस्तयाब कर पूछताछ करने पर बतायी कि एक माह पहले रवि लोहार राजमिस्त्री का काम करने मेरे गांव आया था उसी समय से मेरी पहचान हुई थी और मोबाईल से बातचीत करते थे कि दिनांक 24.08.2025 को रवि फोन करके बोला कि तुमको पसंद करता हूँ मैं तेरे से शादी करना चाहता हूँ मैं तुमको लेने जाउंगा तब दिनांक 25.08.2025 के 09:00 बजे कम्प्यूटर क्लास जाने के लिए निकली सामरी चौक में पहुंची थी कि रवि अपने दोस्त के साथ मोटर सायकल से आया और मुझे बोला तुमको बहुत ज्यादा पसंद करता हूँ शादी करके रखूंगा तुम नहीं जाओगी तो तेरा नाम लिखकर मर जाउंगा तुम फँस जाओगी कहकर मुझे बहला फुसलाकर मोटर सायकल में बैठाकर महुआडाड़ ले गये वहां से रवि मुझे बस में बैठाकर लोहरदगा नदीटोला ले जाकर किराये के रूम में अपने साथ रखकर दिनांक 25.08.2025 से दिनांक 12.09.2025 तक लगातार कई बार गलत काम (बलात्कार) किया है। पीड़िता के कथनानुसार आरोपी के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित होना पाये जाने से मामले में धारा 65 (1),96,54 भा.न्या.सं. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4,6 जोड़ी गई है। मामले के फरार आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रकरण के मुख्य आरोपी रवि लोहरा को दिनांक 13.10.2025 को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर घटना घटित करना स्वीकार किया।

CMYK

मौजूदा सरकार में नगर सरकार के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की क्यों नहीं सुन रहे अधिकारी,क्यों कर रहे हैं अधिकारी अपनी मनमानी?

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच का आपसी संबंध इस सरकार में क्यों नहीं हो पा रहा स्थापित?

- नगर सरकार को बने एक साल नहीं हुआ और पूरे प्रदेश में नगर सरकार के जनप्रतिनिधि अपने अधिकारियों से क्यों हैं परेशान?
- जनप्रतिनिधियों पर खर्च हुआ नहीं और अधिकारी पैसा निकाल लिए ऐसे भी आए मामले फिर भी सरकार चुप क्यों?
- नगर व शहर अधिकारी को आखिर किसका संरक्षण की अपने ही जनप्रतिनिधि के नाम पर निकाल ले रहे पैसा और और अपने ही जनप्रतिनिधियों को दिखा रहे आंख?
- क्या मौजूदा सरकार में यह एक नई परंपरा की शुरुआत है ऐसी परंपरा में क्या कोई करोड़ों रुपए खर्च करके चुनाव लड़ेगा?
- भाजपा सरकार का प्रदेश में यह कार्यकाल स्थानीय निकायों,पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए क्या बेड़ियां डालने वाला कार्यकाल?

-अविनाश राहगीर-

अंबिकापुर/रायपुर 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में भाजपा की सरकार है और प्रदेश के अधिकाशं नगरीय निकायों में साथ ही जिला जनपदो में भी भाजपा से ही जुड़े पार्टी के लोग ही निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं लेकिन नगरीय निकायों और जिला जनपदों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का हाल बेहाल है वह वेतन पाने वाले कर्मचारियों से भी बदतर हालात में हैं न उनकी सुनवाई है न उनकी सहमति असहमति उनके निर्वाचित कार्यक्षेत्र के कार्यालयों में महत्व रखती है,सभी परेशान हैं और सरकार और प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री के प्रति इस उम्मीद से आशा लगाए बैठे हैं कि उन्हें कुछ तो अधिकार मिलेंगे कुछ तो उनकी भी सुनवाई होगी उनकी भी सहमती असहमति सुनी जाएगी लेकिन ऐसा कोई उदाहरण अब तक सामने नहीं आया है जब उनकी सुनवाई हुई हो उनकी सहमति असहमति स्वीकार हुई हो,प्रदेश की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में अब तक नगर सरकारों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा लगातार जारी है,नगर सरकारों में बैठे अधिकारी नगर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को कुछ नहीं समझते और न ही उनसे नगर विकास या नगर विकास निधियों के खर्च के बारे चर्चा ही करते हैं,कहां क्या आवश्यक है क्या अति आवश्यक है यह अधिकारी तय कर रहे हैं यहां तक कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की विकास निधियों को भी अधिकारियों द्वारा ही कहां खर्च किया जाना है यह तय किया जा रहा है। अधिकारियों की यह मनमानी क्यों जारी है क्यों उपेक्षित हैं लगातार नगरीय निकाय के निर्वाचित जनप्रतिनिधि जबकि अधिकाशं भाजपा से ही जुड़े हैं जिसकी सरकार है प्रदेश में यह समझ से परे है। अधिकारी क्यों मनमानी कर रहे हैं क्यों वह जनप्रतिनिधियों को उपेक्षित कर रखे हैं यह बड़ा सवाल है क्योंकि अधिकारियों की करनी जो सामने आ रही है वह भ्रष्टाचार के चरम पर पहुंच चुकी स्थिति है और क्या सरकार जानबूझकर ऐसा अधिकारियों से करवाना चाह रही है जो वह कर रहे हैं यह बड़ा सवाल है।

एक वर्ष भी अभी नगर सरकारों और जनपद जिला पंचायतों की सरकारों के कार्यकाल का नहीं हुआ लेकिन सभी जगह की स्थिति एक समान है निर्वाचित जनप्रतिनिधि लगातार राजधानी में ही नजर आ रहे हैं और मुख्यमंत्री सहित विभागीय मंत्री से त्राहिमाम-त्राहिमाम की रट लगा रहे हैं वहीं सरकार मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री कोई मदद नहीं कर पा रहे हैं अपने ही लोगों का जो उनके भरोसे चुनाव में कूद पड़े थे और पार्टी के खाते में जिन्होंने जीत की सौगात जोड़ी थी। नगरीय निकायों की यदि हालत की बात की जाए तो लगभग हर नगरीय निकाय की स्थिति एक समान है कुछ अपवाद हो सकते हैं सभी जगह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उपेक्षा ही झेलनी पड़ रही है वह केवल वेतन पाने वाले ऐसे कर्मचारी बनकर रह गए हैं जिनके पास वेतन पाने के लिए काम भी नहीं है बस वेतन उन्हें मिल जा रहा है और उन्हीं निकायों के अधिकारी उनको उपेक्षित कर अपनी मनमानी कर रहे हैं उन्हें किसी प्रकार की कोई तव्वजो नहीं प्रदान कर रहे हैं।

वैसे जो कुछ सामने से नजर आ रहा है उसको लेकर यही एक सवाल खड़ा होता है कि आखिर क्यों अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रहा है क्या इसके लिए सरकार की ही तरफ से मनाही है और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को केवल चंद पैसे वेतन के प्रदान कर एक कुर्सी पर बैठा बेकाम व्यक्ति बनाकर रखना ही इसके पीछे की मंशा है,वैसे जो कुछ घट रहा है वह भाजपा के हिसाब से तो अच्छा नहीं नजर आ रहा है,अंदरूनी आक्रोश या नाराजगी साफ नजर आ रही है बस उसका उजागर होना या उसका जाहिर होना खुलेआम बाकी नजर आ रहा है।

सरकार के दो साल,निकायों की सरकारों के एक साल, निकाय के निर्वाचित जनप्रतिनिधि लगातार अधिकारियों से उपेक्षित?

प्रदेश की सरकार का कार्यकाल दो वर्ष का होने जा रहा है वहीं निकायों की सरकारों का कार्यालय भी एक वर्ष की दहलीज पर है लेकिन निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपनी उपेक्षा से परेशान हैं वह अपने ही उन अधिकारियों से उपेक्षित हैं जो उनकी बातें सुनने और उन पर क्रियान्वयन के लिए नियुक्त हैं,ऐसा क्यों हो रहा है यह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भी सवाल है अपनी ही सरकार से बस वह खुल कर बोल नहीं पा रहे हैं। जिन अधिकारियों का काम निकायों की समस्याओं को निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से जानकर उसके निराकरण का जिम्मा मिला हुआ है वह उन्हीं अधिकारियों से परेशान हैं उनकी मनमानियां झेलने मजबूर हैं जिन्हें उनके लिए सहूलियत तय करनी थी।क्यों,आखिर क्यों जैसे सवाल कम से कम जनप्रतिनिधि जरूर जानना चाह रहे हैं इसके पीछे की सरकार की मंशा भी वह समझना चाहते हैं।

निकायों में अधिकारी मनमानी पर हैं उतारू,विकास निधियों सहित जनप्रतिनिधियों के लिए उपलब्ध निधियों का भी वह कर रहे दुरुपयोग

प्रदेश के निकायों में आज की स्थिति ऐसी है कि अधिकारी मनमानी पर उतारू हैं,वह निकाय विकास निधियों सहित निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए उनके अनुसार खर्च किए जाने वाली निधियों का भी दुरुपयोग कर रहे हैं,निकायों में अधिकारियों द्वारा केवल अपनी मनमानी चलाई जा रही है जिसमें अंकुश लगाने का भी आधिकार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नहीं है, निर्वाचित जनप्रतिनिधि केवल मूक दर्शक बने हुए हैं और उनके ही निकायों को अधिकारी लुट रहे हैं।ऐसा क्यों हो रहा है क्यों जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा हो रही है इसको लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि चिंतित हैं।

पीजी कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय पीजी कॉलेज अंबिकापुर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत 14 अक्टूबर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया, जिसका उद्देश्य आपदाओं और आपातकालीन संकटों के समय मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तृप्ति विश्वास द्वारा स्वागत उद्बोधन से हुई। मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा कि आपदा या संकट के समय समाज में मानसिक असंतुलन बढ़ता है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं,परामर्श और सहयोग प्राप्त होना चाहिए, जिससे वे मानसिक रूप से सशक्त बन सकें। प्राचार्य डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तनाव प्रबंधन के उपायों पर भी प्रकाश डाला और मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि ममता तिवारी ने मेडिटेशन के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों को ध्यान और शांति का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान से मानसिक संतुलन बनाए रखना संभव है। कार्यक्रम का संचालन सोहिनी सिंह ने किया। अंत में ज्योति लकड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अल्पना भारती,डॉ. दामिनी स्वर्णकार,अंकिता भोई सहित मानवविज्ञान एवं मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक,शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्री साईं बाबा स्कूल सरगवां एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय धौरपुर में साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे जागरूकता माह के दौरान विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु दिए गए है दिशा निर्देश

-संवाददाता-

सरगुजा,14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

वर्तमान में साईबर अपराध के स्वरूप में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। ऐसी घटनाओं के रोकथाम हेतु जिले मे विभिन्न प्रकार से साईबर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है, इसी क्रम मे माह अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाते हुए राष्ट्रव्यापी साइबर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है। जागरूकता माह को संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा साइबर सेल पुलिस टीम एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारियों कों अभियान के तहत स्कूल कॉलेज मे छात्राओं के बीच पहुंचकर विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर साइबर सम्बन्धी जागरूकता उत्पन्न करने हेतु निर्देशित किया गया है,इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों के नेतृत्व मे साइबर सेल पुलिस टीम,थाना धौरपुर पुलिस टीम एवं साइबर वालेंटियर द्वारा श्री साईं बाबा स्कूल सरगवां एवं शासकीय आत्मानंद विद्यालय धौरपुर में साइबर सुरक्षा, म्यूल खातों एवं मोबाइल नंबर के दुरूपयोग,हेल्पलाइन नंबर,साइबर पोर्टल के उपयोग एवं साइबर ठगी किये जाने हेतु ठगों द्वारा अपराध किये जाने का तरीका (मॉडस ऑपरेंडी) बताकर छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने छात्र छात्राओं को साइबर अपराधों की विविधताओं जैसे-ऑनलाइन धोखाधड़ी, ओटीपी साझा करने के खतरे,डिजिटल फ्रॉड्स, एपीके फ़ाइल,डिजिटल अरेस्ट, एटीएम बदल कर फ्रॉड पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा केवल तकनीक नहीं, बल्कि हमारी सजगता और जिम्मेदारी का विषय है। छात्र-छात्राओं को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को सजग और सतर्क रहने की समझाइस दी गई,छात्र-छात्रों को पोर्टल एवं CEIR पोर्टल के उपयोग के बारे मे जानकारी दी गई,दूसरे व्यक्तियों के नाम पर म्यूल एकाउंट खुलवाकर और उन खातों का आपराधिक गतिविधियों मे उपयोग कर साइबर अपराध की घटना कारित कर रहे है, नागरिक अपना पहचान पत्र एवं अन्य दस्तावेज किसी भी दूसरे व्यक्ति का ना देवे, लालच मे आकर अपना खाता एवं एटीएम आदि किसी अन्य व्यक्ति को ना देवे,इसकी समझाइस दी गई,किसी भी वित्तीय लेनदेन अथवा साइबर सम्बन्धी मामलो मे रुके,सोचे और कार्यवाही करें की मुल भावना को बताकर नुकसान को रोकने की बात बताई गई, मौक़े पर छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा,नवीन कानून की जानकारी एवं साइबर सम्बन्धी मामलो मे त्वरित सहायता उपलब्ध कराने वाले हेल्पलाइन नंबर 1930, एवं अन्य हेल्पलाइन नंबर (1098,181,112) से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल से साइबर एक्सपर्ट आरक्षक अनुज जायसवाल,वीरेंद्र पैकरा ने साइबर सम्बन्धी अपराधों एवं उनके रोकथाम पर प्रकाश डाला,साथ ही साइबर वोलेंटियर विक्की गुप्ता,अतुल गुप्ता ने अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी देते हुए कहा कि यह एप्लीकेशन महिलाओं की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने छात्रों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति से प्राप्त लिंक, ओटीपी या कॉल पर भरोसा न करें और हमेशा सोशल मीडिया पर अपने डाटा एवं प्रोफाइल को सुरक्षित रखें। कार्यक्रम के दौरान श्री साई शिरणी शिक्षण समिति के अध्यक्ष विजय कुमार इंगोले, विद्यालय की प्राचार्या प्राची गोयल, स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य अनूप टोप्पो, व्याख्याता देव कुमार कश्यप, कालेश्वर एक्का, मोहन सिंह, थाना धौरपुर से सहायक उप निरीक्षक रामधनी राम, प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा, महिला आरक्षक ज्योति पैकरा, आरक्षक वीरेंद्र पैकरा, जिला संगठन आयुक्त योगेश विश्वकर्मा, स्काउट प्रभारी अभिषेक चौधरी एवं गाइड प्रभारी दीक्षा कुजूर सहित स्कूल के शिक्षक शिक्षिका एवं लगभग 400 की संख्या मे छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

सेंसेक्स 297 अंक गिरकर 82,030 पर बंद

निफ्टी 25,150 के नीचे आया,मेटल और बैंकिंग सेक्टर सबसे ज्यादा गिरे

नई दिल्ली,14 अक्टूबर 2025। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 800 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी ऊपरी स्तर से करीब 250 अंक लुढ़क गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की,इसके बावजूद शेयर बाजार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.36 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी

तरह ऑटोमोबाइल,कैपिटल गुड्स,कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,एफएमसीजी,हेल्थकेयर,आईटी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल मार्केट से जुड़े शेयरों में मंगलवार को तेजी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा,जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद घट कर 459.40 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.46 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 3.06 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,334 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,336 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,871 शेयरों में गिरावट का रुख रहा,वहीं 127 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,833 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 720 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,113 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 77.49 अंक की मजबूती के साथ 82,404.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 246.32 अंक की मजबूती के साथ 82,573.37 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी देर में ही लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 800 अंक फिसल कर 545.43 अंक की कमजोरी के साथ 81,781.62 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 250 अंक की रिकवरी करके 297.07 अंक की गिरावट के साथ 82,029.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

टाटा ट्रस्ट के तीसरे कार्यकाल के लिए चंद्रशेखरन को मंजूरी,फरवरी 2027 तक होगा दूसरा कार्यकाल

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2025। टाटा ट्रस्ट ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के संभावित तीसरे कार्यकाल को मंजूरी दे दी है। इससे समूह की लंबे समय से चली आ रही सेवानिवृत्ति नीति में बदलाव आया है। चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल फरवरी, 2027 में समाप्त होगा। तब वह 65 वर्ष के होंगे। वैसे टाटा के अधिकारी 65 वर्ष की उम्र में कार्यकारी पदों से हट जाते हैं। हालांकि, वह 70 वर्ष की आयु तक गैर-कार्यकारी पदों पर बने रह सकते हैं। चंद्रशेखरन के कार्यकाल का विस्तार न केवल उनकी क्षमताओं व टाटा ट्रस्ट द्वारा उन पर रखे गए विश्वास को दर्शाएगा, बल्कि समूह की दिशा को भी दर्शाएगा जिसने उनके नेतृत्व में एक साहसिक नई राह तय की। ट्रस्ट के पारित प्रस्ताव पर होल्डिंग कंपनी टाटा संस औपचारिक रूप से विचार करेगी। यह पहली बार है जब कोई टाटा में सेवानिवृत्ति की आयु के बाद भी पूर्ण कार्यकारी पद पर बना रह सकता है। चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार का प्रस्ताव नोएल टाटा व वेणु श्रीनिवासन ने 11 सितंबर को ट्रस्ट की बैठक में रखा था। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी मिली। चंद्रशेखरन को फरवरी, 2022 में दूसरा पांच साल का कार्यकाल मिला था। चंद्रशेखरन पहली बार अक्तूबर,2016 में टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए थे। जनवरी, 2017 में उन्हें चेयरमैन नियुक्त किया गया था। चंद्रशेखरन के समूह में लगातार तीसरे कार्यकाल के पीछे दो कारक हैं।

कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के लिए यह महसूस किया गया कि चिप,इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी व एआर इंडिया जैसी योजनाओं को पूरा करने के लिए कार्यकारी नेतृत्व जरूरी था।

चंद्रशेखरन के नेतृत्व के 5 वर्षों में दोगुनी हुई आय : चंद्रशेखरन के नेतृत्व में टाटा समूह ने आय लगभग दोगुनी और शुद्ध लाभ तथा बाजार पूंजीकरण तिगुना से भी अधिक बढ़ाया। 2024-25 में सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध संस्थाओं का राजस्व 15.34 लाख करोड़ था। शुद्ध लाभ 1.13 लाख करोड़ था। हालांकि, एक साल में समूह का पूंजीकरण 6.9 लाख करोड़ घटकर 10 अक्तूबर, 2025 तक 26.5 लाख करोड़ रह गया। टाटा संस की संपत्ति 2018 के 43,252 करोड़ से बढ़कर 1.49 लाख करोड़ हो गई।

CMYK

केशगवा में रामचरितमानस गायन वादन प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

-संवाददाता-
सोनहत, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
ग्राम पंचायत केसगवां के बजरंग चौक स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय रामचरितमानस गायन-वादन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नवयुवक दुर्गा समिति केसगवां,रोशन मानस मंडली केसगवां,तुलसी महिला मंडली तेलीमुड़ा, तथा बरम बाबा मानस मंडली जामपारा के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। इस आयोजन में जिले भर से 20 मानस मंडलियों ने सहभागिता कर भक्ति, संगीत और संस्कृति की त्रिवेणी प्रवाहित की। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट जनों की उपस्थिति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी सोनपाकर थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष आशा सोनपाकर,भाजपा जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े,जनपद सदस्य सोनिया सुमित राजवाड़े,मंडल महामंत्री मनोज साहू, तथा जनपद सदस्य आलेश्वरी गौतम उपस्थित रहे।मंच का सफल संचालन सुमित राजवाड़े ने किया। जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी सोनपाकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार का आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देता है। हनुमान मंदिर प्रांगण में पहली बार हो रही इस प्रतियोगिता में ग्रामीणों की सहभागिता सराहनीय रही। ऐसी धार्मिक गतिविधियाँ सामाजिक समरसता को भी प्रोत्साहित करती हैं। भाजपा जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े ने कहा किरामचरितमानस भारतीय संस्कृति की आत्मा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवा पीढ़ी को धर्म और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। मंडल महामंत्री मनोज साहू ने अपने वक्तव्य में कहा कि केशगवां में पहली बार इस तरह का आयोजन हुआ है और यह देखना अत्यंत सुखद है कि पूरे जिले से 20 मानस मंडलियों ने इसमें भाग लिया। समिति द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि यह आयोजन अब प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा।

आयोजन समिति की भूमिका : कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही जिसमे अध्यक्षः सुंदर लाल पटेल, श्याम यादव, सोभित राम, महेंद्र पटेल, अजित विश्कर्मा उपाध्यक्षः संतोष दुबे, अनित दुबे, संजय राजवाड़े, केशव राजवाड़े सचिवः उमेश तिवारी, दिलीप राजवाड़े संरक्षकः मनोज साहू, रमेश तिवारी, लाला महाराज, राजेश राजवाड़े, अमर सिंह का सराहनीय योगदान रहा। इस तरह केसगवां में आयोजित यह रामायण प्रतियोगिता न केवल भक्ति और संस्कृति का उत्सव बनी, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम भी साबित हुई।

हनुमान मंदिर प्रांगण में पहली बार हुआ आयोजन : गौरतलब है कि हनुमान मंदिर प्रांगण में यह पहला अवसर था, जब रामचरितमानस पर आधारित भव्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसे लेकर ग्रामवासियों में विशेष उत्साह देखा गया।

प्रतिवर्ष होगा आयोजन : आयोजन की सफलता को देखते हुए समिति ने इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने का संकल्प लिया है, ताकि क्षेत्रीय प्रतिभाओं को मंच मिलता रहे और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएं सुदृढ़ हों। रामचरितमानस गायन-वादन प्रतियोगिता में 20 मंडलियों ने लिया भाग, विजेता मंडलियों की हुई घोषणा- केशगवा रामचरितमानस गायन-वादन प्रतियोगिता में जिले भर से कुल 20 मानस मंडलियों ने भाग लिया। सभी मंडलियों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को भावविभोर कर दिया और धार्मिक वातावरण को जीवंत बना दिया।

पुरुष वर्ग की विजेता मंडलियाँ

प्रथम स्थान :
- लवकुश मानस मंडली,लेड़ुआ
- अंजनीपुत्र मानस मंडली,ढोडी बहरा

द्वितीय स्थान:
- हरिओम मानस मंडली,सलगवां
- शंकर सुवन मानस मंडली,सारा

तृतीय स्थान :
- राधाकृष्ण मानस मंडली,सरडी
- जय सियाराम मानस मंडली, बरदिया

महिला वर्ग की विजेता मंडलियाँ:

प्रथम स्थान:
- शिव संदेशा महिला मानस मंडली, पिपरा

द्वितीय स्थान :
- अंबिका महिला मानस मंडली, सलगवां

तृतीय स्थान:
- श्री श्यामलाल महिला मानस मंडली,जमनीपारा

प्रतियोगिता में निर्णायक

प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका विजय सिंह पुषाम और रामेश्वर राजवाड़े ने निभाई, जिन्होंने निष्पक्ष मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मंडलियों का चयन किया। इस अवसर पर रामफल यादव जितेंद्र राजवाड़े प्रदीप रघुवर सिंह प्रताप सिंह विजय राजवाडे जवाहिर सिंह आस्टिन देवा पिकु यादव श्रीराम राजवाडे उदय शिव राम कमलेश्वर रामचन्द्र रिकु राजवाडे कुमार सिंह राम रूप सिंह अनिल राजवाड़े नंद कुमार सुचेन राजवाडे राजू मनोज राजवाड़े अश्वनी यादव तथा अन्य ग्राम केशगवां महुआपारा व तेलीमुड़ा के ग्राम वासियो ने सराहनीय योगदान दिया।

दीदी के ससुराल में युवक का मन डोला कॉलेज छात्रा से रेप के आरोप में गिरफ्तार

-संवाददाता-
जशपुर, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छात्रा से दुष्कर्म करने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी का नाम अमन लकड़ा है। आरोपी ने युवती को प्रेम जाल में फंसा,शादी का झांसा देकर युवती से करीब 1 सालों तक दुष्कर्म करता रहा। आरोपी का जब मन भर गया तो उसने शादी करने से मना कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। घटना थाना पत्थलगांव क्षेत्र की है। 13.10.25 को थाना पत्थलगांव की एक 20 वर्षीय पीड़ित ने थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कॉलेज में बीए की छात्रा है और वर्तमान में कंप्यूटर का कोर्स कर रही है। 4.6.2024 में वह अपनी रिश्ते की दीदी की शादी में पत्थलगांव आई हुई थी। समारोह में गांव में रहने वाला अमन लकड़ा भी पहुंचा था। अमन ने पीड़िता ने बातचीत की। इस दौरान आरोपी अमन लकड़ा ने युवती को बोला कि वह उसे पसंद करता है और शादी करना चाहता है। छात्रा आरोपी अमन लकड़ा के झांसे में आ गई। मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने उसी दिन प्रार्थिया के साथ जबरन अनाचार किया। एक साल तक अमन ने पीड़िता के साथ अनाचार किया। पीड़िता जब शादी की बात करती तो अमन उसे गुमराह करता रहता था। अब आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। आरोपी की

हरकतों से परेशान पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। चूंकि मामला महिला संबंधित अपराध से संबंधित होने पर पुलिस के द्वारा तत्काल थाने में आरोपी अमन लकड़ा के विरुद्ध, बी एन एस की धारा 64 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। साथ ही आरोपी अमन लकड़ा को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस महिलाओं व बच्चों से सम्बन्धित अपराध को लेकर अत्यंत संवेदनशील है, पत्थलगांव क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म के मामले में आरोपी अमन लकड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इस प्रकार के अपराध में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा।

कोरबा में दीपावली से पहले खाद्य विभाग अलर्टः बिना लाइसेंस,मिस ब्रांडिंग पर चालान

-संवाददाता-
कोरबा, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
कोरबा में दीपावली त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने दुकानों से जांच के लिए खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। इनमें पानी,टोस्ट,आटा, सोयाबीन तेल,मैंगो कैंडी,बिस्कुट, कुकीज़,पनीर, बूंदी और कलाकंद जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस दौरान कई दुकानों में गंदगी और

अव्यवस्थाएं पाई गईं,जिसके लिए दुकानदारों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पिछले एक सप्ताह में जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित रंजय कैंटीन से पानी, जमनीपाली के संजय जनरल स्टोर से टोस्ट और आटा, शिवम जनरल स्टोर से सोयाबीन तेल के नमूने लिए गए। इतवारी बाजार से शांति ट्रेडर्स से मैंगो कैंडी और टोस्ट, किशन ट्रेडर्स से बिस्कुट और कुकीज़ के सैंपल लिए गए। बंकिमोगरा स्थित बुलबुल सेल्स से पानी, राजू होटल से चिकन बिरयानी और वेज बिरयानी, उरगा स्थित सुनीता डेयरी से पनीर, तथा शुभम डेयरी से बूंदी और कलाकंद के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं। विभाग ने सभी प्रतिष्ठानों को त्योहारी सीजन के मद्देनजर एफएसएसएआई नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान कई होटलों में डस्टबिन नहीं पाए गए, जिसके लिए उन्हें डस्टबिन रखने और गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के निर्देश दिए गए। विभाग ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी प्रतिष्ठान लाइसेंसधारी हों और उनकी रजिस्ट्रेशन कॉपी दुकान के सामने प्रदर्शित हो, ताकि ग्राहकों को इसकी जानकारी मिल सके।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि-10.10.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1 से 2 अम्बिकापुर, स.क्र. 3.4 सूरजपुर एवं स.क्र. 5 पत्थलगांव संभाग
03. स.क्र. 1 से 4 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार, स.क्र. 5 - 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि= -31.10.2025

सरल क्र	एन.आई. टी क्र.	कार्य का नाम	(अनुमानित लागत लाख में)
1	2	3	4
1	194	लो.नि.वि. सभाग अम्बिकापुर अंतर्गत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत अंतर्गत एफ.डी.आर. एवं रोड सेफ्टी का कार्य (1) अम्बिकापुर धनवार वाराणसी (एसएच-2 ए) मार्ग के ग्राम लटोरी में कि.मी. 13/8 से 14/4 में ड्रेन का कार्य (2) प्राचीन धरोहर रामगढ़ नाट्यशाला से मेला स्थल पहुंच मार्ग में रोड सेपटी का कार्य (3) आरा कुन्दी डकई मार्ग के कि.मी. 4/6 से 4/8 में सी.सी. रोड का कार्य (4) आरा कुन्दी डकई मार्ग के कि.मी. 1/10 मे टोवाल का कार्य (5) केवरी से बेलदगी मार्ग के कि.मी. 1/8 से 1/10 में रोड सेपटी का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	144.84
2	195	लो.नि.वि. संभाग अम्बिकापुर अंतर्गत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत, एफ.डी.आर. एवं रोड सेफ्टी का कार्य (1) अम्बिकापर दरिमा मार्ग में कांतिप्रकाशपुर के पास कि.मी. 1/6 में पुलिया का रोड सेफ्टी का कार्य (2) रेस्ट हाउस मैनपाट मार्ग में टोवाल का निर्माण कार्य (3) दरिमा मैनपाट मार्ग में कांक्रीट क्रेश बैरियर का कार्य (4) सोनतराई मैनपाट मार्ग के कि.मी. 28/2 में आर.सी.सी. रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य (5) सोनतराई व्हाया भूसू गैरसा मार्ग में प्रोटेक्शन का कार्य (टो-वाल एवं पिचिंग का कार्य) (6) मुरता सुरेशपुर बेलजोरा रजौटी मार्ग में प्रोटेक्शन का कार्य (टो-वाल एवं पिचिंग का कार्य) (7) दरिमा नवानगर मार्ग में मछली नदी पुलिया में टोवाल एवं एप्रोच प्रोटेक्शन का कार्य (8) पेंट पीड़िया मार्ग में रोड सेफ्टी का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	122.57
3	196	लोनिवि उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत 05 नग मार्गो में विशेष मरम्मत, एफ.डी.आर. एवं रोड सेफ्टी का कार्य (1) जिला सूरजपुर के अनखोरा मरहट्टा चन्द्रमेढा मार्ग के कि.मी. 7/6 से 7/10 में (500 मीटर) सीसी मार्ग में विशेष मरम्मत कार्य (2) कल्याणपुर लटोरी दतिमा सलका (एमडीआर) मार्ग के कि.मी. 44/6 में (130 मीटर) सीसी मार्ग निर्माण कार्य (3) बिशुनपुर सूरजपुर ओडगी (भैयाथान से ओड़गी (एस.एच.) मार्ग के कि.मी. 72/8 में (110 मीटर) मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य (4) बिशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (भैयाथान से ओड़गी) (एस.एच.) मार्ग के कि.मी. 69/4 में (100 मीटर) मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य (5) विशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (भैयाथान से ओड़गी) (एस.एच.) मार्ग के कि.मी. 82/2 में (80) मीटर) मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए दो वाल निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	105.98
4	197	उपसंभाग प्रेमनगर के अंतर्गत 05 नग मार्गो में विशेष मरम्मत, एफ.डी.आर. एवं रोड सेफ्टी का कार्य (1) बिशुनपुर सूरजपुर ओडमी (एस.एच.16) मार्ग के कि.मी. 6/6,7/ 8, 7/10 एवं 8 / 10 में मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य (2) बिशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 7/6 एवं 7/10 में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए टोवाल का निर्माण कार्य (3) विशुनपुर सूरजपुर ओडगी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 8/10 एवं 11/8 में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए टो-वाल का निर्माण कार्य (4) बिशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 10/2 में विशेष मरम्मत कार्य (5) अटल चौक तेजपुर से डुमरिया घुरबेला नाला पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/10 में पुलिया के एप्रोच का मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	106.31
5	198	लो.नि.वि. संभाग पत्थलगांव अंतर्गत (1) लोक निर्माण विभाग सभाग पत्थलगाव बागबहार बस्ती पहुंच मार्ग लंबाई 0.20 कि.मी. में सी.सी. रोड एवं 26 मीटर नाली निर्माण कार्य (विशेष मरम्मत) (2) लैलुगा कोतवा लवाकेरा मार्ग में कुल 09 नग पुलिया निर्माण कार्य एवं 231 मीटर में नाली निर्माण कार्य (रोड सेपटी अंतर्गत) (3) लैलूंगा कोवबा लवाकेरा मार्ग में कुल 06 नग पुलिया में पैरापेटवाल एवं कि.मी. 1/8 में रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य (रोस सेफ्टी अंतर्गत) (4) बंदरचुआ गोरिया मार्ग में गार्ड स्टोन 268 नग एवं नाली 290 मीटर का निर्माण कार्य (रोड सेफ्टी अंतर्गत) (प्रथम आमंत्रण)	96.47

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी नंबर-252604134/3

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 31.10.2025, (17.30) बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम निविदा क्र. / निविदा सूचना क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
सि.नि.क्र. 177445. नि. सू.क्र. 04/व.ले लि/ 2025-26 दिनांक 10.10.2025	चुन्दापाठ जलाशय योजना के 02 नग आर.सी.सी. स्लूस 01 नग पेस्ट वियर, शीर्ष कार्य में मिट्टी बंड, मिट्टी कार्य से नहर निर्माण, नहर सी.सी. लाईनिंग 04 नग सी.डी. 07 नग व्ही. आर. बी. 03 नग फाल, 09 नग कोलाबा पाईप फिक्सिंग का निर्माण कार्य ।	रू. 447.16 लाख
सिनि.क्र. 177446, नि. सू. क्र. 05/व.ले. लि / 2025-26, दिनांक 10.10.2025	मैनी व्यपवर्तन योजना के वियर अफक्स मंड, 02 नग रिटेनिंग वाल नहर में मिट्टी कार्य, सी.सी. चैनल, नहर लाईनिंग, 04 नग सी.डी. 01 नग सुपर पैसेज, 08 नग फाल, 06 नग कोलाबा का निर्माण कार्य।	रू. 392.61 लाख
सि.नि.क्र. 177452. नि.सू.क्र. 06/व. ले.लि. / 2025-26. दिनांक 10.10.2025	कोदोधरा जलाशय योजना का निर्माण कार्य ।	रू. 284.43 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 17.10.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :-1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,जशपुर (छ.ग.) कृते
मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार.जल संसाधन विभाग,अंबिकापुर (छ.ग.)

जी नंबर-252604126/4

अंततः हटाई गई कोरबा की डीपीओ रेणु प्रकाश,परियोजना अधिकारी ने लगाया था वसूली के लिए प्रताड़ित करने का आरोप,एकतरफा कार्यमुक्त

-संवाददाता-
कोरबा, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश को आखिरकार यहां से हटा दिया गया है। विभाग में लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार, मानसिक उत्पीड़न और 'रिश्वत वसूली' के गंभीर आरोपों के ठीक बाद संचालनालय ने यह कार्रवाई की है। हालांकि आदेश में उनके पूर्व में किए गए तबादले का जिक्र है और सचिव स्तरीय समिति द्वारा किए गए फैसले के तहत उन्हें हटाने की बात कही गई है। संचालनालय महिला एवं बाल विकास, छत्तीसगढ़ के संचालक पदुम सिंह एल्मा के हस्ताक्षर से जारी आदेश में रेनु प्रकाश को एकतरफा भारमुक्त करते हुए उनका स्थानांतरण कोंडागांव कर दिया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील किया गया है। विभाग ने जिला कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार अस्थायी रूप से गजेंद्र देव सिंह को सौंपा है। शासन की कार्यवाही के बाद लंबे समय से दबाव में काम कर रहे विभाग के कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है।

जून के महीने में किया गया था ट्रांसफर : दरअसल कोरबा में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश का जून के महीने में ही कोंडागांव जिले में तबादला कर दिया गया था, मगर उन्होंने हाई कोर्ट की शरण लेते हुए स्टे ले लिया था। हालांकि इससे पूर्व और बाद में रेणु प्रकाश के कामकाज को लेकर काफी शिकायतें भी हुईं।

कोरबा हाईवे पर हादसा,पिता की मौत,मां-बेटी घायल,तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

-संवाददाता-
कोरबा, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
कोरबा में कटघोरा-बिलासपुर हाईवे पर एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी घायल हुए है। यह घटना शाम करीब 4 बजे चैतमा चौकी क्षेत्र के सुंदरा नाला के पास हुई। चैतमा चौकी प्रभारी अफसर खान के मुताबिक, मृतक की पहचान उदयपुर जिले के केतमा थाना अंतर्गत उमदेवा चौकी क्षेत्र निवासी सुमन साय अगरिया (45) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी संगीता अगरिया (42) और 15 वर्षीय बेटी कृष्णा के साथ बाइक (सीजी-15-बीडब्ल्यू-5988) पर पाली के नोनबिर्रा गांव में अपने रिश्तेदार के यहां से वापस उदयपुर जा रहे थे। सुंदरा नाला के ऊपर से गुजरते समय एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर गिर गए। हेलमेट पहने होने के बावजूद सुमन साय को सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी और बेटी को भी चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल मां-बेटी को तुरंत पाली अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मरच्यूरी भेजा गया। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

न्यायालय नायब तहसीलदार लुण्ड्रा जिला-सरगुजा छ0ग0)
रा0प्र0क्र0-202407021400014 / अ - 6 / 2022-23
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सेतराम आ0 रामदयाल उम्र लगभग 80 वर्ष जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम कोरंधा तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा का आवेदन पेश किया गया है जिसका विवरण इस प्रकार है कि अनावेदक उत्तम पिता बीरू, सुरजन पिता बीरू, घनश्याम पिता देवचरण एवं कृष्ण देव पिता देवचरण एवं उसाम पिता देवचरण सभी निवासी ग्राम देवचरण के नाम से ग्राम कोरंधा स्थित 155 रकबा 0.376 हे0 भूमि है को दिनांक 16/02/2000 को क्रय किया है, सूरजन का मृत्यु निःसंतान हो चुका है आवेदक को जानकारी नहीं होने के अभाव में उक्त भूमि का नामांतरण नहीं करवा पाया है, आवेदक उक्त विक्रय पत्र के आधार पर अपने नाम से नामांतरण करवाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। जो इस न्यायालय में लंबित है।

उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 16/10/2025 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 01/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा कर जारी किया गया।

(सील) **तहसीलदार लुण्ड्रा जिला- सरगुजा छ0ग0**

कमला नेहरु महाविद्यालय में एचआईवी एड्स जागरूकता हेतु व्याख्यान आयोजित

-संवाददाता-
कोरबा, 14 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
एक व्यक्ति को तभी सेहतमंद कहा जा सकता है,जब वह शारीरिक, मानसिक और सामाजिक,तीनों रुप से स्वस्थ महसूस करे,यही पूर्ण स्वास्थ्य है। एचआईवी एक ऐसा वायरस है,जिसके संक्रमण से व्यक्ति को एड्स नामक बीमारी हो सकती हैं। इससे बचा जा सकता है, बशर्ते रोकथाम की जानकारी और जागरुकता होनी चाहिए। खासकर युवा वर्ग को उन सावधानियों के प्रति सतर्क रहने की जरुरत है, जिन्हें

नजरंदाज किया जाना, उनकी स्वास्थ्य के साथ जिंदगी को खतरे में डाल सकता है। उक्त कथन एचआईवी एड्स जागरूकता के लिए कमला नेहरु महाविद्यालय कोरबा में आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता जिला एड्स नियंत्रण समिति कोरबा के नोडल अधिकारी डॉ. रविकांत सिंह राठौर ने छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहीं। व्याख्यान में जिला चिकित्सालय कोरबा से आई आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती वीणा मिस्त्री ने विस्तार से एसआईवी संक्रमण के माध्यमों, जांच एवं रोकथाम की विधियों की जानकारी प्रदान की।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0- अ-6/2024-25
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कबुतरी यादव बेवा अमेरू उर्फ अमरू बरगाह व अन्य जाति बरगाह निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 266 /1, 338/2, 527/1, 899/1, 1157 / 2 कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 1.3990 हे0 भूमि पर वर्तमान मृत खातेदार स्व. अमरू आ. बुधू का नाम विलोपित कराते हुए उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/10/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 01/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) **नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2**

न्यायालय तहसीलदार सुरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0 1482ब-121/2024
सुरजपुर दिनांक 10/10/2025
ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम पारस पिताम्बर आ0 हरिहर प्रसाद जाति रजार निवासी उंचडीह प0ह0न0 03 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने मृत्यु जन्म दिनांक 05/06/2009 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24/10/2025 को 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दवा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

इस इश्तेहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद से आज दिनांक 10/10/2025 को किया जाता है।

(सील) **तहसीलदार सूरजपुर छ0ग0**

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अधिकार,अस्मिता और आत्मनिर्भरता की नई दिशा

-संवाददाता-
एमसीबी,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की धरती सदियों से जनजातीय परंपराओं की वह पवित्र भूमि रही है जिसने भारत की आत्मा को जीवंत बनाए रखा है। यही वह भूमि है,जहाँ जंगलों की हरियाली, नदियों की स्वच्छता और जनजातीय संस्कृति की गहराई एक-दूसरे में घुल-मिलकर एक संतुलित जीवन दर्शन का निर्माण करती हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन्हीं परंपराओं को नई ऊर्जा देने के लिए जो ऐतिहासिक पहल की है,उसका नाम है धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (दजगुआ)। यह अभियान आदिवासी अस्मिता,स्वाभिमान और सशक्तिकरण का मॉडल बन चुका है। धरती आबा नाम से स्वयं भगवान बिरसा मुंडा क्रांतिकारी व्यक्तित्व की स्मृति है, जिन्होंने आदिवासी अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई में अपना इतिहास रचा और भगवान बिरसा मुंडा के नाम से जाना गया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा को अपना जीवन का हिस्सा बना लिया था। आज वही विचार, वही आत्मा, वही संघर्षशीलता इस अभियान की नींव और प्रेरणा है।

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में शिक्षा,आजीविका और चेतना का संगम

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में कुल 54 ग्राम इस अभियान का हिस्सा हैं। यहाँ की ग्राम पंचायत जैसे तिलोखन,बहेराटोला,घाघरा,चरवाही,डाडहंसवाही,केवटी,डुगला, डिहुली, बिरौरीडांड,रोझी,पहाड़हंसवाही,कछौड़,बड़काबहरा,हर्रा,रोकड़ा,लोहारी, मुसरा,बाही,ताराबहरा और शिवगढ़ जैसे अनेकों ग्राम पंचायत जनजागरण का केंद्र बन चुका हैं। इन ग्राम के ग्राम सभाओं में गठित वन अधिकार समितियाँ न केवल अपने ग्राम के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर रही हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य,पोषण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की भागीदारी यहाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय है,जिसमें स्व-सहायता समूह अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। वनोपज आधारित उत्पादों जैसे महुआ, तेंदूपत्ता, साल बीज, हरी सब्जियाँ और औषधीय पौधों के माध्यम से आत्मनिर्भरता का मॉडल तैयार हो रहा है। यह ब्लॉक ग्रामोदय से जनोदय के उस आदर्श को साकार कर रहा है।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में वनाधिकार से ग्रामोदय तक की प्रेरक कहानी : मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला छत्तीसगढ़ के उत्तर में बसा एक ऐसा क्षेत्र है, जो प्रकृति की गोद में बसा हुआ है। यहाँ की मिट्टी में जनजातीय परंपराओं की खुशबू है और यहाँ के लोगों में आत्मसम्मान की शक्ति बसा हुआ है। यह जिला जनजातीय विकास की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और प्रेरणास्पद माना जाता है। इसी जिले से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान ने अपनी ठोस नींव रखी। जिले के तीनों प्रमुख विकासखण्ड मनेंद्रगढ़,भरतपुर और खड़गवा अब जनसशक्तिकरण की मिसाल बन चुके हैं। इस अभियान के अंतर्गत जिले के 151 ग्रामों का चयन किया गया है, जिनमें से 145 ग्राम को वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत शामिल किया गया है। यह उस ऐतिहासिक परिवर्तन की कहानी है जिसमें अधिकार और विकास का वास्तविक समन्वय पहली बार धरातल पर साकार हुआ है।

भरतपुर ब्लॉक प्राकृतिक संपदा से आत्मनिर्भरता की दिशा में : भरतपुर ब्लॉक में कुल 55 ग्राम पंचायत द-जगुआ से जुड़े हुए हैं। जिसमें बडवाही,मेहदौली,उदकी, हरचौका,बेलगांव,वरखर,पूंजी,विड़ौला, देवगढ़,सिंगरौली,लरकोडा,बड़काडोल, डोगरीटोला, नौढ़िया, कुवांरी, पतवाही, चांटी, मलकडोल जैसे अनेकों ग्राम पंचायत शामिल हैं। यह ब्लॉक अपनी प्राकृतिक संपदा और घने वनों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के ग्रामों में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत दी गई भूमि का उपयोग अब जैविक खेती, वनोपज उद्योगों और बांस आधारित लघु उद्यमों में किया जा रहा है। महिलाएँ वन उत्पाद मूल्यवर्धन के प्रशिक्षण ले रही हैं और बाजार तक पहुँच बनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। यहाँ के महिला स्व-सहायता समूहों ने आयुर्वेदिक साबुन,हर्बल तेल, और जड़ी-बूटी आधारित उत्पादों का निर्माण प्रारंभ किया है,जो अब स्थानीय हाट-बाजारों से लेकर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच रहे हैं।

वन अधिकार अधिनियम अधिकार नहीं,सामाजिक न्याय की पूंजी है

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में कुल 365 ग्राम ऐसे हैं जिन्हें वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत अधिकार प्राप्त हुआ है। यह अधिकार केवल भूमि पर स्वामित्व का प्रमाण पत्र नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय और आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। जब किसी जनजातीय परिवार को अपनी जमीन का अधिकार मिलता है, तो वह केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आत्मिक रूप से भी सशक्त होता है। इस अभियान ने इन गांवों को योजनाओं के केंद्र में लाकर शासन की सोच को धरातल पर उतारा है। इन गांवों में सोलर ऊर्जा,स्वच्छ पेयजल,स्कूल भवनों का उन्नयन,पोषण आहार केंद्र और स्वास्थ्य शिविर और धरती आबा अभियान ने यह सिद्ध किया है कि जब विकास अधिकार से जुड़ता है, तब वह स्थायी बन जाता है।

धरती आबा की आत्मा से सशक्त हो रहा ग्राम भारत

धरती आबा बिरसा मुंडा ने कहा था की हमारा जंगल,हमारी जमीन,हमारा हक़ यही विचार इस अभियान की आत्मा है। एमसीबी जिले में वन अधिकार अधिनियम और धरती आबा अभियान एक-दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। अधिकार के साथ जब विकास जुड़ता है, तो समाज में आत्मविश्वास पनपता है। आज जिले के कई गाँवों में यह परिवर्तन दिखाई देता है की भरतपुर के दूरस्थ इलाकों में महिलाएँ वनोपज से बने उत्पाद बेचकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, तो खड़गवां के युवाओं को पारंपरिक हस्तशिल्प व जंगल आधारित आजीविका में प्रशिक्षित किया जा रहा है। मनेंद्रगढ़ के विद्यालयों में स्थानीय भाषा और संस्कृति पर आधारित शिक्षा मॉडल लागू किए गए हैं। धरती आबा अभियान का सबसे बड़ा योगदान यह है कि इसने भागीदारी आधारित शासन की अवधारणा को सशक्त किया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में गठित ग्राम उत्कर्ष समिति यह सुनिश्चित करती है कि योजनाओं का क्रियान्वयन जनता की सक्रिय भागीदारी से हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में ये समितियाँ निगरानी और मार्गदर्शन का कार्य करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र ने इस अभियान को राष्ट्रीय सोच से जोड़ा है।

धरती आबा के सपनों से सजता नया छत्तीसगढ़

धरती आबा बिरसा मुंडा का सपना था कि एक ऐसा समाज हो जहाँ आदिवासी अपने अधिकारों के साथ सम्मानपूर्वक जी सके, अपने जंगलों की रक्षा करे और आत्मनिर्भर बने। आज छत्तीसगढ़ में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान उस सपने को साकार कर रहा है। एमसीबी जिले के 151 ग्रामों की यह यात्रा परंपरा और आधुनिकता का संगम है। 145 ग्रामों का वन अधिकार अधिनियम से जुड़ना यह दर्शाता है कि शासन अब केवल विकास नहीं,बल्कि अधिकार आधारित विकास की दिशा में अग्रसर है।

ज़िला स्तरीय विज्ञान सेमिनार का हुआ सफल आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के उत्प्रेरण एवं सहयोग से तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा ज़िला स्तरीय विज्ञान सेमिनार का आयोजन सेजस एनसीडीसी कोरबा में किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी तामेश्वर उपाध्याय के निर्देशन में किया गया, जिसमें जिले के सभी पांचों विकासखंडों से चयनित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला समन्वयक डॉ. फ़रहाना अली ने अपने उद्बोधन में कहा कि क्वांटम युग विज्ञान की नई दिशा है, जहाँ अदृश्य स्तर पर होने वाली घटनाएँ भविष्य की तकनीकी क्रांति का आधार बनेंगी। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों में न केवल वैज्ञानिक सोच विकसित होती है, बल्कि वे शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित होते हैं। ज़िला शैक्षिक समन्वयक कामता जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्वांटम यांत्रिकी का अध्ययन हमें यह सिखाता है कि हर छोटी से छोटी घटना भी ब्रह्मांड को प्रभावित करती है। आज के विद्यार्थी कल के वैज्ञानिक हैं, इसलिए विज्ञान को समझना और उसे जीवन में अपनाना ही सच्ची प्रगति है। डॉ. अली ने बताया कि इस वर्ष की संगोष्ठी का विषय था क्वांटम युग का आग़ाज़- संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ। क्वांटम यांत्रिकी के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस विषय को चुना गया, ताकि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुसंधान की भावना विकसित हो। सेमिनार में प्रतिभागियों का मूल्यांकन लिखित परीक्षा एवं मौखिक प्रस्तुति के आधार पर किया गया। निर्णायक मण्डल में रीता चौधरी, व्याख्याता (उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोथारी) एवं ज्योति शर्मा,व्याख्याता (उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केवराद्वारी) सम्मिलित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार नितिन धिरही (पीएमश्री सेजस तिलकेजा), द्वितीय पुरस्कार रिम्शा सदफ़ (सेजस गोपालपुर) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के मार्गदर्शक शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में निशा पाटिल सोनारे (ब्लॉक प्रभारी, कोरबा) एवं तानिया रॉय घोष (ब्लॉक प्रभारी, पोड़ी उपरोड़ा) का विशेष सहयोग रहा।

बस से टक्कर के बाद पुल से गिरा हाइवा,ड्राइवर की मौत

-संवाददाता-
जशपुर,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार हाइवा और बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हाइवा पुल से नीचे गिर गई, जिससे मौके पर ही चालक की मौत हो गई और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कुनकुरी थाना क्षेत्र के श्रीनदी के पास हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुनकुरी पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से हाइवा के केबिन को काटकर चालक और क्लीनर को बाहर निकाला गया। चालक की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि गंभीर रूप से घायल क्लीनर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

न्यायालय अपर कलेक्टर लिंक कोर्ट प्रतापपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0202412260200016/ ब-121/2024-25

ईश्तहार

चलित्तर आ. स्व. लालसाय, उम्र 50 वर्ष,निवासी ग्राम केरता, तहसील प्रतापपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) व अन्य 02- आवेदक

प्रति

मंजुरी देवी आ. स्व. अमरसाय, जाति उरांव,निवासी ग्राम करता, तहसील प्रतापपुर,जिला - सूरजपुर (छ.ग.)

...अनावेदक

आवेदक चलित्तर आ. स्व. लालसाय, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम केरता, तहसील प्रतापपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) व अन्य 02 के द्वारा आवेदन पत्र वास्ते अनावेदिका के द्वारा भू-माफियाओं के साथ मिलीभगत करते हुये फर्जी तरीके से आवेदकगणों के स्वत्व व आधिपत्य की भूमि को अपने नाम से कराये जाने के संबंध में विधिवत् जांच कराये जाने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, इस न्यायालय के राजस्व प्रकरण क्रमांक-202412260200016/ब- 121/2024-25 पक्षकार चलित्तर वगैरह प्रति मंजुरी देवी पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्त प्रकरण में अनावेदिका मंजुरी देवी आ. स्व. अमरसाय को कई बार नोटिस जारी की गई परन्तु नोटिस तामिली न होने के कारण इस ईश्तहार के माध्यम से अनावेदिका मंजुरी देवी आ. स्व. अमरसाय, जाति उरांव, निवासी ग्राम केरता, तहसील प्रतापपुर, जिला - सूरजपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में आगामी पेशी तिथि 30.10.2025, स्थान लिंक कोर्ट प्रतापपुर में न्यायालयीन समय दोपहर 02.00 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति मय सबुत व दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। यदि नियत तिथि पर आप अनुपस्थित रहते है तो आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी ।

आज दिनांक :- 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से सूचना जारी किया गया।

सील

अपर कलेक्टर
जिला सूरजपुर

न्यायालय नजुल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0202508021200165/ अ-20 (3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सुरेश प्रसाद सोनी पिता रामऔतार सोनी जाति सोनार निवासी स्कूल रोड अम्बिकापुर नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला दरौंपारा नगर अम्बिकापुर सीट 3 स्थित प्लाट नम्बर - 1165 / 2 रकबा 140 वर्गफीट भूमि को अपनी पुत्री अनावेदिका रीमा सोनी पुत्री सुरेश प्रसाद सोनी जाति सोनार निवासी नमनाकला राजमोहिनी देवी वार्ड पी0जी0 कालेज के सामने नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0, के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-29/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-..6/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजुल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण का सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मल हलदार आ0 ज्योतिष हलदार, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) द्वारा अपने मकान निर्माण एवं कर्ज चुकाने हेतु अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 56 / 1 रकबा 0.610 हे0 में से रकबा 0.046 हे0 भूमि अना0 क्र0 01 सत्यवती गुप्ता पति अरविन्द कुमार गुप्ता, निवासी ग्राम सलका, तहसील भैयाथान को रू05.62,000/- (पांच लाख बासठ हजार रूपये) तथा रकबा 0.020 हे0 अना0 क्र0 02 शेषवती गुप्ता पति प्रदीप गुप्ता, निवासी ग्राम दवना, तहसील ओड़गी को रू0 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पशी दिनांक 14/11/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

आनंदपुर नर्सरी अब बन रही क्षेत्र की पहचान,यहां रुकने वाले लोग मनमोहक दृश्य को देख कर हो जाते हैं मनमुग्ध

फलदार,औषधि व दुर्लभ प्रजाति के पौधे हो रहे तैयार,चारो तरफ हरियाली विदेशी घास के साथ,ठहरे हुए पानी के किनारे बना रेस्ट हाउस लगा रहा चार चांद

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,14 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सोनहत के ग्राम कटगोड़ी आनंदपुर में खूबसूरत नर्सरी तैयार की गई है। ये जमीन कभी वीरान हुआ करती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह जिले की सबसे बेहतरीन नर्सरी में से एक है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सब इस रेंज के परिक्षेत्राधिकारी अखिलेश मिश्रा के मेहनत से सम्भव हो सका है आनंदपुर नर्सरी में इन दिनों फलदार,सामान्य व दुर्लभ प्रजाति के पौधे तैयार किये जा रहे हैं। इस नर्सरी में हर साल फलदार के अलावा इमारती लकड़ियों व दहिमन व अन्य प्रजाति के पौधे तैयार किये जाते हैं। इनका रोपण जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कराया जाता है. हर साल भारी संख्या में पौधे तैयार किये जाते हैं, जो आस-पास के क्षेत्रों में पौधरोपण के लिए प्रदान किये जाते हैं।

लोगों को लुभा रही नर्सरी की सौंदर्यता

आनंदपुर नर्सरी की सौंदर्यता किसी बड़े उद्यान व वाटिका से कम नहीं हैं। लोगों को टहलने के लिए सड़क पर टाइल्स लगाए गए हैं। गुलाब,बेला और अन्य फूलों की बगिया के साथ बैठने के लिए आकर्षक कुर्सियां और शेड भी लगाए गए हैं। नर्सरी परिसर में विदेशी घास के साथ सेल्फी जोन की भी व्यवस्था है। चारों तरफ हरियाली के बीच बगल में बहते नाले पर डैम बनाया गया है। दूर से यह दृश्य झील के जैसा दिखाई देता है।

चारों तरफ हरियाली के बीच बना रेस्ट हाउस

आनंदपुर नर्सरी में एक रेस्ट हाउस बना हुआ है,जो काफी भव्य है। इसके अलावा एक और भवन निर्माण प्रगति पर है, जो की काफी सुंदर है। चारों तरफ हरियाली और पानी के किनारे बना यह रेस्ट हाउस बेहद ही आकर्षक है। यहां रुकने के बाद लोगों का मन प्रफुल्लित हो जाता है।

बांस से बनाई जाती है,आकर्षक वीजें

आनंदपुर नर्सरी में बांस से समय-समय पर शिल्पकारी का कार्य भी किया जाता है,जो बेहद आकर्षक है। इस नर्सरी के माध्यम से लगातार स्थानीय लोगों को मनरेगा और विभागीय प्रयास से रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। वर्तमान में कई नर्सरियां है,लेकिन आनंदपुर नर्सरी इन सबमें सबसे खास है. यह नर्सरी वर्तमान में जिले की सबसे बेहतर और सुंदर नर्सरी है।

यहां अलग-अलग प्रजातियों के पौधे हो रहे तैयार

आनंदपुर नर्सरी में इन दिनों फलदार, सामान्य व दुर्लभ प्रजाति के पौधे तैयार किये जा रहे हैं, इस नर्सरी में प्रति वर्ष फल दार के अलावा इमारती लकड़ियों व दहिमन व अन्य प्रजाति के पौधे तैयार किये जाते हैं जिनका रोपण जिले के अलग अलग क्षेत्रो में कराया जाता है,प्रति वर्ष भारी संख्या में पौधे तैयार किये जाते हैं जो आस पास के के क्षेत्रो में वृक्षारोपण हेतु प्रदान भी किये जाते हैं।

सिनेमाघरों में मनोरंजन का तड़का लगाने आ रहीं ये फिल्में

फिल्मी लवर्स के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास होता है। इस दिन कई सारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देती हैं। अगर आप हॉलीवुड फिल्मों के शौकीन हैं,तो ये हफ्ता आपके लिए काफी खास होने वाला है। 15 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक,एक्शन-हॉरर और थ्रिलर से भरपूर कई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं। इन फिल्मों का लुत्फ परिवार और दोस्तों के साथ उठाया जा सकता है।

द फैमिली मैकमुलेन और ट्रुथ एंड ट्रेजन

कॉमेडी-ड्रामा से भरपूर फिल्म द फैमिली मैकमुलेन को आज सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ये साल,1995 में रिलीज द ब्रदर्स मैकमुलेन की सीक्वल है। दूसरी तरफ थ्रिलर से भरपूर फिल्म ट्रुथ एंड ट्रेजन को मैट व्हिटेकर ने निर्देशित किया है। इवान हॉरॉक्स, रूपर्ट इवांस और फर्डिनेंड मैके जैसे सितारों से सजी इस फिल्म को 17 अक्टूबर को रिलीज किया जा रहा है। ये फिल्म 16 वर्षीय जर्मन लड़के हेल्मुथ ह्यूबेनर की सच्ची कहानी पर आधारित है।

गुड फॉर्चून और ब्लैक फोन 2

सेठ रोजेन, केके पामर और कीनू रीव्स जैसे सितारों से सजी फिल्म गुड फॉर्चून 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। हल्की-फुल्की कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन अजीज अंसारी ने किया है। अगर आपको हॉरर फिल्में देखना पसंद है तो ब्लैक फोन 2 आपका मनोरंजन करने के लिए तैयार है। ये फिल्म भी 17 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। ये साल 2021 में आई फिल्म ब्लैक फोन की दूसरी किस्त है।

द मास्टरमाइंड

जोश ओकॉनर, अलाना हैम, होप डेविस और जॉन मैगारो जैसे सितारों से सजी फिल्म द मास्टरमाइंड भी 17 अक्टूबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। ये डकैती और क्राइम से भरपूर फिल्म है, जिसका निर्देशन केली रीचर्ड्ट ने किया है। कहानी साल, 1972 के वॉर्सेस्टर आर्ट म्यूजियम में हुई चोरी से प्रेरित है। जेम्स ब्लेन मूनी (जोश ओकॉनर) नाम का एक शख्स फिल्म में दोहरी जिंदगी जीता है, जो म्यूजियम से पेंटिंग्स चुराने की योजना बनाता है।

अमृता राव पर हुआ था काला जादू

एक्ट्रेस बोलीं...3 बड़ी फिल्में हाथ से निकल गई थीं,साइनिंग अमाउंट तक लौटाना पड़ा था

विवाह एक्ट्रेस अमृता राव को हाल ही में जॉली एलएलबी 3 में देखा गया था। इसके पहले भी कई और अन्य फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। और अभिनय का जादू दर्शकों पर बिखेर चुकी हैं। अब एक पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि उन पर किसी ने काला जादू किया था। उन्होंने बताया कि पहले तो उन्हें यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब उन्होंने महसूस किया तो वह दंग रह गई थीं। अमृता राव ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में काफी कुछ बातें बताईं। उनसे होस्ट ने ब्लैक मैजिक को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने पहले तो सवाल पर ही सवाल किया कि वह ऐसी चीजें क्यों पूछते हैं तो रणवीर ने बताया कि जो सिंपल और साफ दिल के होते हैं,वो डार्क साइड से ज्यादा अफेक्ट होते हैं।

अमृता राव पर काला जादू

एक्ट्रेस ने आगे दावा कियाकि एक बार वह अपने गुरुजी से मिली थीं। उन्होंने उस वक्त तो आशीर्वाद दिया लेकिन 1-2 दिन बाद उनकी मां से कहा कि उनकी बेटी पर किसी ने काला जादू किया है। वशीकरण किया गया है। अमृता ये बात सुनकर चौंक गई थीं। मैं वशीकरण जैसी बात पर अपनी लाइफ में कभी भरोसा नहीं करती। अगर ये बात उन गुरु के अलावा किसी और ने बोली होती।

अमृता राव ने गुरुजी के बारे में कहा

अमृता राव ने आगे कहा,मुझे पता है कि वह जेनुअन हैं। उन्हें कुछ भी खोने का मलाल नहीं है। कुछ पाने की इच्छा नहीं है। उन्होंने मुझे बस सच बताया उनकी बातें सुनने के बाद मुझे लगा कि शायद मुझ पर काला जादू हुआ था। अभी तक मैंने दूसरी एक्ट्रेसेस से ही सुना था कि इंडस्ट्री में काला जादू होता है। हालांकि मुझे कभी ऐसा फील नहीं हुआ था।

अमृता राव की फिल्में बंद, लौटाना पड़ा पैसा

अमृता ने कहा कि उन्होने उस वक्त तीन बड़ी फिल्में साइन की थीं। और सभी बड़े बैनर की मूवी थीं। लेकिन मजेदार बात ये है कि तीनों ही फिल्में बनी नहीं। एक्ट्रेस ने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था लेकिन जब सब डिब्बा बंद हो गया तो उन्हें वो पैसे लौटाने पड़े थे।

कांतारा चैप्टर 1 का दुनियाभर में डंका,इन फिल्मों का तोड़ा रिकॉर्ड

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 का बोलबाला इस वक्त दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। फिल्म ने जब से सिनेमाघरों में दस्तक दी है,इसकी आंधी रुकने का नाम नहीं ले रही। भारतीय बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ विदेशों में भी ऋषभ की फिल्म का डंका बज रहा है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर लोगों का उत्साह देखने लायक है। हालांकि,12वें दिन कमाई में थोड़ी कमी देखी गई है।

12वें दिन फिल्म ने किया इतना कलेक्शन : सैकनिल्क के मुताबिक, कांतारा चैप्टर 1 ने रिलीज के 12 वें दिन यानी तीसरे सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर कुल 13.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। हालांकि,अन्य दिनों के मुकाबले ये कलेक्शन काफी कम है। होम्बेल फिल्म्स का दावा है कि कांतारा चैप्टर 1 ने अपने दूसरे हफ्ते में 146 करोड़ कमाए हैं,जिसके बाद सिर्फ 11 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में कुल 655 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार कर लिया है।

सुल्तान का लाइफटाइम कलेक्शन पीछे छोड़ा : 11 दिनों में 655 करोड़ रुपये की कमाई के साथ ऋषभ की फिल्म ने सलमान खान की फिल्म सुल्तान के लाइफटाइम कलेक्शन (628 करोड़) को तोड़ दिया है। इससे पहले कांतारा चैप्टर 1 ने यश की सालार-पार्ट 1 (406 करोड़),रजनीकांत की जेलर (348.55 करोड़),रणबीर कपूर की संजू (342.57 करोड़), प्रभास की बाहुबली-द बिगनिंग (420 करोड़) और आमिर खान की दंगल (387.38 करोड़) को पीछे छोड़ दिया था।

संजय कपूर की 30 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी पर विवाद

वसीयत में करिश्मा के बेटे का नाम गलत लिखा,वकील बोला- प्रिया सचदेव ने बनाई जाली वसीयत

दिवंगत संजय कपूर की 30 हजार करोड़ की वसीयत से पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चों को वंचित रखा गया है। इस मामले में बच्चों ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर प्रॉपर्टी में हिस्सा मांगा है। सोमवार को मामले की सुनवाई हुई,जिसमें बच्चों की पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि संजय कपूर की वसीयत फर्जी है,जिसे जानबूझ कर ऐसा बनाया गया है, जिससे करिश्मा के बच्चों को कुछ न मिले। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान करिश्मा के बच्चों की तरफ से केस लड़ रहे वकील महेश जेठमलानी ने कहा कि संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने जानबूझकर, करिश्मा के बच्चों को प्रॉपर्टी से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि वसीयत में काफी चीजें छिपाई गई

हैं,जिसमें संजय कपूर का तक नाम दर्ज नहीं है। उन्होंने वसीयत में गलतियां दिखाते हुए कहा, संजय कपूर की बेटी समायरा का पता गलत लिखा गया है और बेटे कियान के नाम की स्पेलिंग भी बार-बार गलत लिखी गई है। संजय कपूर का बच्चों के साथ काफी गहरा रिश्ता था,अगर उन्होंने खुद वसीयत लिखी होती,तो वो बच्चों का नाम गलत नहीं लिखते। न ही वो अपनी बेटी का पता गलत लिखते।

क्या है पूरा मामला : 12 जून 2025 में करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मां ने दावा किया कि संजय की पत्नी प्रिया सचदेव ने गैरकानूनी ढंग से पूरी प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया और उन्हें पूरी तरह से बेटे के बिजनेस से अलग कर दिया है। कुछ समय बाद करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने पिता संजय कपूर की 30 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी में हिस्सा मांगा। कोर्ट ने प्रिया को संजय कपूर की वसीयत पेश करने के आदेश दिए, लेकिन प्रिया के वकील ने इसे सार्वजनिक न करने की मांग करते हुए बंद लिफाफे में वसीयत कोर्ट में पेश की। करिश्मा के बच्चों ने आरोप लगाए कि उनके पिता की संपत्ति में उनका हक है, लेकिन उन्हें वसीयत दिखाई ही नहीं गई। आरोप ये भी हैं कि उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर ने नकली वसीयत तैयार की है, जिससे वह पूरी संपत्ति पर पूरा कंट्रोल पाना चाहती हैं।

खेल समाचार

दिल्ली टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया,गिल की टीम ने सीरीज 2-0 से जीती

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2025। भारत ने दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को भारत ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच पांचवें दिन तक गया। भारत ने मंगलवार को एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलना शुरू किया और साई सुदर्शन (39 रन) और कप्तान शुभमन गिल (13) के विकेट गंवाए। केएल राहुल ने टेस्ट करियर का 20वां अर्धशतक लगाया और छह चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। ध्रुव जुरेल छह रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था। भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। तब भारत 270 रन से आगे था। ऐसे में भारत ने फॉलोऑन खिलाने का फैसला लिया और जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ने 390 रन बनाए। वेस्टइंडीज की कुल बढ़त 120 रन की हुई और भारत को 121 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। यह बतौर कप्तान शुभमन गिल की पहली टेस्ट सीरीज जीत है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में गिल टेस्ट कप्तान बने थे। हालांकि,वह सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ था। अब गिल ने कप्तानी करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। उन्होंने वेस्टइंडीज का सफाया कर आगाज किया है। भारत को अब नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर

वेस्टइंडीज से जीतने के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 सीजन की पॉइंट्स टेबल में नंबर-3 पर कायम है। टीम की स्थिति में बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले भारत ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के पास 55.56% पॉइंट हैं। टीम ने 7 में से 4 मैच जीते हैं और 2 मुकाबले हारे हैं। एक मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत को 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घर में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बात

भारतीय टीम की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मान है। मैं अभी इस भूमिका की आदत डाल रहा हूं। मैं हमेशा वही फैसला लेने की कोशिश करता हूं, जिसके सफल होने की संभावना सबसे ज्यादा हो। हम लगभग 300 रन की बढ़त पर थे और पिच पर ज्यादा जान नहीं बची थी, इसलिए हमने फॉलो-ऑन देने का फैसला किया। जब मैं बैटिंग करता हूं तो कोशिश करता हूं कि कप्तान नहीं, बल्कि बल्लेबाज की तरह सोचूं। बचपन से ही यह सीख ली है कि टीम को जीत दिलाने में कैसे योगदान देना है।

शुभमन गिल ने की पैट कमिंस की बराबरी

शुभमन गिल की कप्तानी में इस साल भारतीय टीम ने चौथा टेस्ट मैच जीता है। गिल अब 2025 में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तानों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस की बराबरी पर आ गए हैं। कमिंस ने इस साल 5 टेस्ट में कप्तानी की है और 4 में उनकी टीम जीती। गिल ने 2025 में 7 टेस्ट में कप्तानी की और चौथी जीत हासिल की। गिल की कप्तानी में भारत 2 टेस्ट मैच हारा है और 1 मैच ड्रॉ रहा है।

रवींद्र जडेजा प्लेयर ऑफ द सीरीज

यह मेरा तीसरा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड है और इसे घर लेकर जाना वाकई खुशी की बात है। हालांकि,मैं रिकॉर्ड्स के बारे में ज्यादा नहीं सोचता, मेरा ध्यान सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर रहता है। इस समय मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बैटिंग कर रहा हूं। गंभीर ने मुझे नंबर 6 का स्थान दिया है और उस पोजिशन पर मेरी सोच पहले से थोड़ी अलग है। मैं जितनी हो सके उतनी लंबी बल्लेबाजी करने की कोशिश करता हूं। जडेजा ने कहा...अश्विन की गैरमौजूदगी में मुझे कुछ ओवर गेंदबाजी का मौका मिला। पिछले कुछ महीनों में हमने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन किया है। यह टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत है।

कुलदीप यादव प्लेयर ऑफ द मैच

विकेट अलग था। काफी सूखा था,इससे ड्रिफ्ट नहीं मिली। काफी ओवर डालने पड़े। जो सबसे बड़ी चुनौती थी। पर मैं गेंदबाजी करके खुश हूं। दो टेस्ट मैच लगातार खेलना काफी शानदार बात है। अब थोड़ा फुटबॉल देखूंगा। हमें मुश्किल से ही समय मिल पाता है। अभी ऑस्ट्रेलिया के लिए निकलना है फिर आगामी सीरीज की तैयारी में लगना है।

टीम इंडिया आज ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना होगी

नई दिल्ली,14 अक्टूबर 2025। टीम इंडिया को 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी-20 सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम 15 अक्टूबर को दो बैच में दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। एक बैच सुबह और एक शाम को उड़ान भरेगा। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौर पर जाने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विराट मंगलवार की सुबह लंदन से दिल्ली पहुंचे।

विराट ने आखिरी वनडे मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी साल 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उन्होंने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही रिटायरमेंट ले लिया है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी।

19 अक्टूबर को पहला वनडे पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज होगी। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की वनडे टीम वनडे : शुभमन गिल (कप्तान),रोहित शर्मा, विराट कोहली,श्रेयस अय्यर (उपकप्तान),अक्षर पटेल,केएल राहुल (विकेटकीपर),नीतीश कुमार रेड्डी,वॉशिंगटन सुंदर,कुलदीप यादव,हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज,अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

खूब पढ़ो-खेलो,माता-पिता पहचान लेंगे स्किल:सूर्यकुमार

इंदौर,14 अक्टूबर 2025। पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे खराब- यह कहावत अब पुरानी हो गई है। ऐसा मानते हैं भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव। उन्होंने कहा, मेरे पिता मुझे इंजीनियर बनाना चाहते थे, लेकिन मेरा मन हमेशा क्रिकेट में ज्यादा लगता था। उन्होंने मेरे स्किल को पहचाना और कभी विरोध नहीं किया, बल्कि पूरा सपोर्ट किया। मैं बच्चों से यही कहूंगा कि खूब पढ़ो और खूब खेलो, तुम्हारे अंदर की प्रतिभा सबसे पहले तुम्हारे माता-पिता ही पहचानेंगे। सूर्यकुमार ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'सेवा वाली दिवाली' कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन ने किया था। यहां उन्होंने इंदौर के लोगों और खाने की भी तारीफ की और कहा कि दोनों को 10 में से 10 नंबर देता हूं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम के किस्से भी साझा किए।

मेरे पिता ही मेरे रोल मॉडल : सूर्यकुमार यादव ने कहा, मेरे जीवन में बहुत जल्दी बैट हाथ में आ गया था। मेरे पिता ही मेरे रोल मॉडल हैं, जो रोज सुबह-शाम मुझे 2 से 3 घंटे ग्राउंड पर अभ्यास के लिए ले जाते थे। मैं क्रिकेट में रोल

मॉडल सचिन तेंदुलकर को देखकर बड़ा हुआ हूं। मेरे पिता तो जब सचिन सर आउट हो जाते थे तो टीवी बंद कर देते थे। मैं उस पल को कभी नहीं भूल सकता जब सालों की मेहनत के बाद पहली बार इंडियन जर्सी और कैप पहनी थी।

वह स्कूप शॉट और सुपर कैच हमेशा याद रहेगा : सूर्यकुमार ने अपने डेब्यू मैच में लगाए गए स्कूप शॉट को अब तक का सबसे यादगार शॉट बताया। उन्होंने कहा,यह शॉट लोगों को बहुत पसंद आया और मेरे लिए भी खास रहा। मेरा एक सुपर कैच भी यादगार है। लेकिन अभी कई और यादगार पल आना बाकी हैं। सूर्यकुमार यादव ने हंसी के साथ कहा, मुंबई का वड़ा पाव हो या इंदौर का पोहा, दोनों मेरे लिए 50-50 हैं। मुझे जो अच्छा लगता है, मैं खा लेता हूं,बस सेहत का ध्यान रखता हूं।

अर्शदीप सिंह और शुभमन गिल सबसे ज्यादा मस्ती करते : ड्रेसिंग रूम के मजेदार पलों को साझा करते हुए उन्होंने बताया, अर्शदीप सिंह और शुभमन गिल सबसे ज्यादा मस्ती करते हैं। वहीं अभिषेक शर्मा ड्रेसिंग रूम में आते ही म्यूजिक प्ले कर देते हैं। इस मस्ती से हमारा स्ट्रेस दूर हो जाता है। कभी-कभी इस बात पर भी बहस हो जाती है कि किसका पसंदीदा गाना बजेगा।

पलक मुछाल की प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया : कार्यक्रम में मशहूर गायिका पलक मुछाल की प्रस्तुतियों ने माहौल को संगीतमय बना दिया। उन्होंने आशिकी 2% का गीत तू ही ये मुझको बता दे...और तू आता है सीने में...जैसे गीतों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। खास बात यह रही कि उनकी प्रस्तुति को साइन लैंग्वेज में भी प्रस्तुत किया गया।

खाद्य विभाग ने 32 लाख राशन कार्ड किया सस्पेंड,इन परिवारों को नहीं मिलेंगे राशन

रायपुर,14 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में अब 32 लाख राशन कार्ड धारकों को राशन नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने इन हितग्राहियों का राशन कार्ड निरस्त कर दिया है। खाद्य विभाग के सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा,पिछले एक सालों से ये लोग राशन लेने नहीं आ रहे हैं न ही इन लोगों ने केवाईसी हुई है। केवाईसी होने पर फिर से राशन दिया जाएगा। उन्होंने कहा,प्रदेश में लगभग 95 लाख राशन कार्डधारी परिवार हैं। 2 करोड़ 73 लाख राशन हितग्राही हैं, जिसमें से 32 लाख लोगों का राशन कार्ड सस्पेंड किया गया है। छत्तीसगढ़ में लंबे समय से राशन कार्ड धारकों को ई-केवाईसी कराने के लिए कहा जा रहा है। खाद्य विभाग ने फर्जी हितग्राहियों को हटाने के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया है। इसके बावजूद अब तक प्रदेश के 32 लाख हितग्राहियों ने ई-केवाईसी नहीं कराया है. ऐसे में माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर राशन कार्ड फर्जी हो सकते हैं. ऐसे फर्जी हितग्राहियों पर नकेल कसने के लिए 31 अक्टूबर से पहले जो लोग ई-केवाईसी नहीं कराएंगे उन्हें नवंबर से मुफ्त राशन का लाभ नहीं मिलेगा।

बीजापुर में नक्सलियों ने बीजेपी कार्यकर्ता को मार डाला,पर्चे भी फेंके..डिप्टी सीएम बोले-नक्सलवाद का खात्मा तय

बिलासपुर,14 अक्टूबर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नक्सलवाद खात्मे के ऐलान की बीच नक्सली बीच-बीच में अपना वर्चस्व दिखाने के लिए हमले कर रहे हैं। इस बीच,बीजापुर में नक्सलियों ने भाजपा कार्यकर्ता पूनम सत्यम की हत्या कर दी है। इस घटना की जिम्मेदारी भाकपा (माओवादी) की माड़ेड़ एरिया कमेटी ने ली है। बीजापुर एसपी डॉ.जितेंद्र ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटनास्थल के लिए बल रवाना कर दिया गया है। क्षेत्र में सर्चिंग जारी है। जानकारी के मुताबिक यह घटना थाना इलमिडी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुंजाल कांकेर की है। भाजपा कार्यकर्ता पूनम सत्यम काफी समय से नक्सलियों के निशाने पर था। उन्होंने कई बार चेतावनी भी दी थी। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात करीब 4 से 5 नक्सली सादे वर्दी में पूनम के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने पास रखे रस्सी से गला घोंटकर भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी। इस वारदात के बाद नक्सलियों ने शव के पास पर्चा फेंका है। इसमें मद्देड एरिया कमेटी ने इस वारदात की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों द्वारा भाजपा कार्यकर्ता की हत्या की घटना की गृहमंत्री विजय शर्मा ने कड़ी निंदा की और उन्होंने कहा कि बस्तर की जनता ने स्पष्ट कह दिया है कि नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए। बड़े नक्सलियों के समूह भी नक्सवाद को खत्म करना तय कर लिया है।प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि लगभग सालभर पहले नक्सली महिला ने गढ़चिरौली (छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा) में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद उसके पति ने भी सरेंडर कर मुख्यधारा को अपना लिया. इस वक्त बस्तर में बहुत सारी गतिविधियां चल रही है। नक्सली लगातार सरेंडर करके नई जीवन शुरू कर रहे हैं।

सूअरों से खेतों को बचाने किसानों ने बिछाया बिजली प्रवाहित तार,चपेट में आने से कृषि अधिकारी की हुई दर्दनाक मौत

रायगढ़,14 अक्टूबर 2025। जिले में हुई एक घटना के चलते कृषि महकमे में शोक व्याप्त है। लैलूंगा थाना क्षेत्र के भेलवाटोली गांव में खेत में बिछाए गए करेंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से कृषि विस्तार अधिकारी लाल कुमार साहू की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किसान जंगली सूअरों से फसल की रक्षा के लिए खेत के चारों ओर बिजली के तार बिछाए हुए थे। उसी दौरान अपने खेत में कृषि कार्य करने पहुंचे अधिकारी की करंट लगने से मौके पर ही मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक अधिकारी गुड़ूबहाल बहमा में कृषि विस्तार अधिकारी के रूप में पदस्थ थे। मंगलवार की सुबह वे अपने खेत में कृषि कार्य देखने गए थे। खेत में प्रवेश करते ही उन्हें करेंट का तेज झटका लगा, जिससे वे बेहोश होकर गिर पड़े।

विश्व मानक दिवस पर मुख्यमंत्री साय ने दिलाई गुणवत्ता शपथ

गुणवत्ता और मानक ही आत्मनिर्भर भारत की पहचान : सीएम साय

रायपुर,14 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में मानकों का पालन पारदर्शिता, गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा रही है और इसके माध्यम से मिलावट व नकली वस्तुओं के कारोबार पर प्रभावी रोक लगी है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को गुणवत्ता शपथ दिलाते हुए मानकीकृत उत्पादों को बढ़ावा देने और बीआईएस के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मानकों की स्थापना में विशेष योगदान देने वाले मानक क्लबों, संस्थाओं और मेंटर्स का सम्मान किया। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था देशभर में गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक समय था जब सोने जैसी धातुओं की शुद्धता का पता लगाना कठिन था, लेकिन आज हर उपभोक्ता बीआईएस हॉलमार्क देखकर ही आभूषण खरीदता है। बीआईएस का हॉलमार्क अब उपभोक्ता भरोसे का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने बताया कि बीआईएस द्वारा बोतलबंद पानी, हेलमेट, खिलौने, गहनों से लेकर करीब 22 हजार वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच मानक चिन्हों के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मानकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और मानकीकरण के कारण आज देश के गांव और कस्बों में बने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनों से मानक चिन्हों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प उपभोक्ता अधिकारों की मजबूती से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक पहचान है। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि विश्व मानक दिवस का उद्देश्य उपभोक्ताओं और समाज में मानकीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह हमारे वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रयासों को सराहने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है और गुणवत्ता सुधार अब केवल नीति नहीं, बल्कि एक संकल्प बन चुका है। बघेल ने कहा कि जागो ग्राहक जागो का संदेश उपभोक्ताओं को सजग और जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को समाज में आगे बढ़ाएं, ताकि उपभोक्ता संरक्षण और अधिक सशक्त हो सके। भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक एस. के. गुप्ता ने कहा कि बीआईएस का प्रत्येक मानक उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा को समर्पित है। उन्होंने बताया कि उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और ब्यूरो इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। गुप्ता ने ब्यूरो द्वारा संचालित गतिविधियों और विभिन्न उत्पादों के मानकीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीआईएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में निर्मित हर उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरे।

मुख्यमंत्री ने मानक महोत्सव में विभिन्न स्टालों का किया अवलोकन

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने मानक स्थापना से जुड़ी गतिविधियों और संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। सिपेट रायपुर के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि संस्था प्रदेश के युवाओं को लघु एवं दीर्घकालीन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, साथ ही उद्योगों को गुणवत्ता परामर्श और तकनीकी सलाह भी उपलब्ध कराती है। मुख्यमंत्री ने सिपेट की पहल की सराहना की और इसे उद्योग-शिक्षा समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। बीआईएस की रायपुर शाखा द्वारा लगाए गए स्टॉल में उपभोक्ता जागरूकता संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से उपभोक्ता स्वयं आईएसआई, एचयूआईडी और हॉलमार्क युक्त आभूषणों की प्रमाणिकता जांच सकते हैं। ऐप के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतें दर्ज करने और आईएसआई मुहर के दुरुपयोग की सूचना देने की सुविधा भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उपभोक्ता सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

6 करोड़ का इनामी नक्सली भूपति ने हथियार डाले

छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में मोस्ट-वांटेड था,महाराष्ट्र में 60 नक्सलियों का सरेंडर

जगदलपुर,14 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ से सटे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पोलित ब्यूरो मेंबर मोजुल्ला उर्फ भूपति उर्फ सोनू दादा समेत 60 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। भूपति बड़े कैडर का नक्सली है। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना और महाराष्ट्र में मोस्ट वांटेड है। इस पर करीब 6 डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। भूपति ने सोमवार रात 10 बजे 3 दंडकारण्य क्षेत्रीय समिति के सदस्य और 10 संभागीय समिति के सदस्यों समेत 60 नक्सलियों के साथ सरेंडर किया है। गढ़चिरौली पुलिस को 54 हथियार सौंपे हैं। इनमें 7एके-47 और 9 आईएनएसएएस राइफलें शामिल हैं। वहीं इससे 20 दिन पहले छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर 71 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इनमें 21 महिला और 50 पुरुष नक्सली शामिल थे। 30 नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। सरेंडर करने वालों में डिवीजन कमेटी मेंबर और एरिया कमेटी मेंबर रैंक के नक्सली हैं। कई नक्सली ऐसे हैं जो बड़ी मुठभेड़ों में भी शामिल रहे हैं। इससे अलावा सुरक्षाबलों ने 23 सितंबर को नारायणपुर जिले में सेंट्रल कमेटी के दो माओवादी लीडर राजू दादा और कोसा दादा को मार गिराया था। इनपर 1.8-1.8 करोड़ का इनाम था। दोनों नक्सली महराबेड़ा में 27 सीआरपीएफ जवानों की हत्या,बुकिनतोर ब्लास्ट में 4 जवानों की शहादत में शामिल थे। इसके साथ ही जोनागुडेम और टेकलगुड़ा में 22-22 जवानों की हत्या में शामिल रहे हैं। इनके खिलाफ छत्तीसगढ़ में 16, आंध्रप्रदेश में 2,तेलंगाना में 4 और महाराष्ट्र में 5,कुल 27 गंभीर मामले दर्ज हैं। तेलंगाना से बस्तर आए नक्सलियों ने यहां के आदिवासियों को हथियार पकड़वाए और खुद के लिए सुरक्षा कवच तैयार किया। अब पुलिस फोर्स के साथ फ्रंट लाइन में बस्तर के ही नक्सली लड़ रहे और मारे जा रहे हैं। तेलुगु कैडर के नक्सली बचकर निकल रहे हैं। हमेशा यह बात उठी है कि बस्तर के नक्सलियों का इस्तेमाल ढाल के रूप में किया जा रहा है। तेलंगाना का कोईएसीएम, डीवीसीएम रैंक का युवा नहीं है जो लड़ाकू हो। या यूं कहें कि वहां फ्रंट लाइन में लड़ने वालों की संख्या लगभग खत्म हो गई है।

हेडमास्टर को उल्टी होने लगी ऐसे भोजन खाने वाले थे बच्चे,मध्यान्ह भोजन प्रभारी शिक्षिका सस्पेंड

बिलासपुर,14 अक्टूबर 2025। स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन में सडी व बदबूदार चटनी परोसने व बच्चों के जान के साथ खिलवाड़ करने के आरोप में जेडी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यान्ह भोजन प्रभारी शिक्षिका भावना तिवारी को निलंबित कर दिया है। छत्तीसगढ़ बिलासपुर स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मंगला में बच्चों को मध्याह्न भोजन में सड़े हुए टमाटर और बदबूदार हरी मिर्च की चटनी परोसने के मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। घटना की जांच में लापरवाही की पुष्टि होने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्याह्न भोजन प्रभारी शिक्षिका भावना तिवारी को निलंबित कर दिया है। विभाग ने बिल्हा ब्लाक की तत्कालीन बीईओ सुनीता ध्रुव और एक अन्य शिक्षिका भावना बाजपेयी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 12 सितंबर को दोपहर तकरीबन दो बजे छात्रों को परोसे गए भोजन से तेज दुर्गंध आ रही थी। हेड मास्टर सावित्री शर्मा ने जब चटनी चख कर देखी तो उन्हें उल्टी आ गई। बच्चों ने भी बदबू महसूस करते हुए तुरंत भोजन फेंक दिया। मामले की जानकारी मिलते ही संभागीय संयुक्त संचालक आरपी आदित्य ने तत्काल प्रधान पाठक सावित्री शर्मा और समन्वयक को निलंबित कर दिया था। विभाग द्वारा की गई जांच में यह बात सामने आई कि खाद्य सामग्री खराब थी। चटनी बनाने में सड़े टमाटर व सड़ी मिर्च का इस्तेमाल किया गया था।

बिलासपुर में 698 नशीली टैबलेट के साथ तस्कर पकड़ाया,डॉक्टर की पर्ची के बिना व्यवसायी ने बेची दवाई

बिलासपुर,14 अक्टूबर 2025। बिलासपुर में पुलिस ने नशीली टैबलेट समेत प्रतिबंधित दवाइयां बेचने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया है। वह डॉक्टर की पर्ची के बिना मेडिकल स्टोर से थोक में दवाइयां खरीदकर युवाओं को नशा करने के लिए बेचता था। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी से नशीली टैबलेट,कार और मोबाइल समेत तीन लाख 14 हजार रुपए का सामान जब्त किया गया है। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। टीआई राहुल तिवारी को जानकारी मिली कि, सोमवार घुटकू के महामाया पारा निवासी आरिफ मोहम्मद (24) अपनी कार में नशीली दवाइयां लेकर जा रहा है। खबर मिलते ही पुलिस ने घुटकू मेन रोड के पास घेराबंदी कर कार सवार युवक को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसके पास से प्रतिबंधित 698 टैबलेट बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस उसे पूछताछ के लिए थाने ले आई। इस दौरान उसने बताया कि, वह नेहरू चौक स्थित रिया मेडिकल के संचालक निशांत गोस्वामी से नशीली दवा खरीद कर कार से घुटकू जा रहा था।

उसके बताए अनुसार पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक निशांत गोस्वामी को भी पकड़ लिया। वह डॉक्टर की पर्ची के बिना आरोपी को बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित टैबलेट बेच रहा था।

10 गुना अधिक रेट में बेचता है आरोप : पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, वह मेडिकल स्टोर से प्रतिबंधित दवा खरीद कर नशे के आदी युवाओं को 10 गुना अधिक कीमत पर बेचता है। पुलिस उसके मोबाइल को जब्त कर जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सौम्या चौरसिया ने आय से 50 करोड़ ज्यादा कमाए

यह 1872% एक्स्ट्रा,8000 पन्नों की चार्जशीट पेश,ईओडब्ल्यू इतिहास में सबसे बड़ी कमाई वाला केस

रायपुर,14 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 8000 पन्नों की चार्जशीट पेश किया है। कोयला घोटाला और आय से अधिक संपत्ति मामले में रायपुर की स्पेशल कोर्ट में चालान पेश किया गया। चार्जशीट के मुताबिक,सौम्या ने अपने 17 साल की सर्विस में करीब 50 करोड़ की अवैध कमाई की। यह कमाई सौम्या की कुल वैध आय 2.5 करोड़ से 1872.86% ज्यादा है। इसके अलावा 45 बेनामी अचल संपत्ति में चौरसिया ने निवेश किया है। सबसे ज्यादा निवेश साल 2019 से 2022 के बीच किया गया है। अधिकारियों ने इसे ईओडब्ल्यू के इतिहास में आय से अधिक कमाई का सबसे बड़ा केस बताया है।

परिवार के कई सदस्यों के नाम पर खरीदी संपत्ति

विशेष अदालत में पेश की गई 8000 पन्नों की चार्जशीट में ईओडब्ल्यू ने बताया कि, सौम्या चौरसिया ने पद पर रहते हुए 49 करोड़ 69 लाख 48 हजार रुपए से अधिक की अवैध कमाई की है। इस आय को उसने अलग-अलग प्रॉपर्टी में इंवेस्ट किया है। ईओडब्ल्यू ने बताया कि सौम्या चौरसिया ने अपने 17 साल की सर्विस में सही तरीके से सिर्फ 2 करोड़ 51 लाख रुपए ही कमाए हैं। यानी 1872.86 प्रतिशत कमाई हिस्सा अवैध है।

अब आगे क्या होगा : विशेष न्यायालय ने चार्जशीट स्वीकार करने के बाद मामले की सुनवाई शुरू होगी। अब ईओडब्ल्यू के साक्ष्य और दस्तावेजों के आधार पर अदालत में ट्रायल चलेगा। जिसमें सौम्या चौरसिया की बेनामी संपत्तियों की जब्ती, बैंक खातों की जांच और संलग्न व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

क्या है छत्तीसगढ़ का कोयला लेवी घोटाला : ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है। छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। दावा है कि, कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था।

पहली पोस्टिंग बिलासपुर में हुई थी...

सौम्या चौरसिया की पहली पोस्टिंग डिप्टी कलेक्टर के तौर पर बिलासपुर हुई थी। इससे पहले साल 2005 में वो लेखाधिकारी के तौर पर काम कर रही थीं। इसके बाद साल 2019 सीएम कार्यालय में उप सचिव का पद मिला।

कोल लेवी घोटाला केस में श्वष्ट ने किया था गिरफ्तार

सौम्या चौरसिया को कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में श्वष्ट ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। हालांकि, वे अभी जमानत पर बाहर हैं। जांच के अनुसार सौम्या ने कथित कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग की राशि से चल-अचल संपत्तियां अर्जित की थी। जिससे कई बेनामी संपत्ति भी बनाई।

इंटरसिटी-एक्सप्रेस में मिला 3.37 करोड़ का सोना-चांदी

संदेही यात्री से ढाई किलो से ज्यादा सोने के जेवर-बिस्किट-चांदी जब्त

बिलासपुर,14 अक्टूबर 2025। बिलासपुर से इतवारी जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री से करीब 3 करोड़ का सोना-चांदी पकड़ाया है। 13 अक्टूबर को नरेश पंजवानी (55) ट्रेन में सफर कर रहे थे। इस दौरान वे अपने पास के एक थैला रखे हुए थे। जिसमें करोड़ों की ज्वेलरी भरी हुई थी। आरपीएफ को इसकी सूचना मिलते ही उसे पकड़ लिया। रेलवे सुरक्षा बल टास्क टीम ने आमगांव-गोंदिया के बीच एस-6 कोच में बैठे नरेश पंजवानी से पूछताछ की तो वह हड़बड़ा गया। जिसके बाद बैग की तलाशी लेने पर 3.37 करोड़ मूल्य के जेवरात बरामद हुए। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह गोंदिया का रहने वाला है।

नागपुर आरपीएफ ने की कार्रवाई : बिलासपुर-इतवारी एक्सप्रेस में सफर के दौरान नागपुर आरपीएफ की टास्क टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रेन के एस-6 कोच में एक संदिग्ध व्यक्ति सफर कर रहा है। जिसके पास बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के जेवरात हैं। खबर मिलते ही टास्क टीम एक्टिव हो गई। इस दौरान टीम ने आमगांव-गोंदिया के बीच एस-6 कोच में एक व्यक्ति से पूछताछ की तो वह हड़बड़ा गया।

उसके थैले की तलाशी लेने पर सोने और चांदी के जेवरात और सोने की बिस्किट भी मिले। दिवाली पर्व से पहले रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) टास्क टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक संदेही यात्री से सोने एवं चांदी के करीब 3.37 करोड़ मूल्य की ज्वेलरी व बिस्किट बरामद की है। गहनों के बिल और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर उसके खिलाफ कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरपीएफ की टीम ने संदिग्ध से पूछताछ की तब उसने बताया अपना नाम नरेश पंजवानी (55) बताया। वह गोंदिया के श्रीनगर बम्बा भवन के पास रहता है। उसके पास रखे थैले में मिले सोने के ज्वेलरी का कुल वजन लगभग 2 किलो 683 ग्राम है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.27 करोड़ है। वहीं, चांदी की ज्वेलरी कुल वजन 7 किलो 440 ग्राम जिसकी कुल कीमत लगभग 10.44 लाख है। दोनों को मिलाकर कुल कीमत 3.37 करोड़ रुपए के जेवरात हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)